MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | मंगलवार, 23 जून, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-171

एक ही रास्ता... मौत!

लखनऊ में आग ने ली 15 जानें

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई। मरने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट थे। ये लोग गेमिंग और एनिमेशन सीखने आते थे। जिस वक्त हादसा हुआ, सभी स्टूडेंट लंच के बाद क्लास में थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में बाहर निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता था।

वहीं, कोचिंग सेंटर में मुख्य गेट भी ऑटोमैटिक था। यह थंब इंप्रेशन से खुलता और बंद होता था। एक स्टूडेंट ने बताया कि आग लगने की वजह थंब इंप्रेशन वाला गेट लॉक हो गया। इसके चलते ज्यादातर बच्चे अंदर ही फंस गए। इमरजेंसी एग्जिट का कोई दूसरा रास्ता नहीं था। जबकि, आग लगने के कुछ ही मिनटों में पूरी इमारत धुएं से भर गई।

उधर, हादसे के वक्त करीब 30 स्टूडेंट और स्टाफ अंदर था। 8-10 स्टूडेंट इंटरनेट-डीटीएच का तार और पाइप पकड़कर बाहर निकल आए, जबकि 3-4 स्टूडेंट दूसरी मंजिल से नीचे कूद गए। अभी भी 5-6 घायल स्टूडेंट केजीएमयू में एडमिट हैं।

बिल्डिंग मालिक वीरेंद्र शुक्ला समेत तीन लोगों पर एफआईआर, हुई गिरफ्तारी

लखनऊ अग्निकांड में बड़ा एक्शन हुआ है। पुलिस ने जांच के बाद बिल्डिंग मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में 3 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। जिनकी गिरफ्तारी हुई है उनमें बिल्डिंग मालिक वीरेंद्र शुक्ला और एनिमेशन ट्रेनिंग स्टूडियो का मालिक तुषांत जैसवाल शामिल हैं। इसके अलावा एक और आरोपी रामकृष्ण उपाध्याय की भी गिरफ्तारी हुई है। इस मामले में चार अफसर भी सस्पेंड कर दिए गए हैं। इस हादसे के बाद सीएम योगी ने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं और इसकी सख्त जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने सोमवार देर शाम हादसे को लेकर हाई-लेवल मीटिंग की थी।

रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज के मालिक की है बिल्डिंग, 2014 में मिली कॉमर्शियल मंजूरी

जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर बनी है। वीरेंद्र शुक्ला रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज के मालिक हैं। यह कॉलेज रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना 2008 में हुई थी।

कॉलेज डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध है और इसे एआईसीटीई की मान्यता भी मिली हुई है। जांच में सामने आया है कि इमारत का नक्शा धीरेंद्र और सुरेंद्र शुक्ला के नाम पर पास हुआ था। शुरुआत में यह आवासीय भवन था, लेकिन 2014 में इसे व्यावसायिक उपयोग के लिए मंजूरी मिल गई।

इमारत में ऑनलाइन एनिमेशन और गेमिंग कोचिंग सेंटर चल रहा था। गर्मी की छुट्टियों के कारण यहां बड़ी संख्या में छात्रों ने दाखिला लिया था। हादसे के बाद प्रशासन ने तत्कालीन अधिकारियों और इंजीनियरों की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। 16 लोगों की सूची तैयार की गई है, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एसी कंप्रेसर में धमाके से भड़की आग, प्लास्टिक और केमिकल से तेजी से फैली लपटें

शुरुआती जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में लगे स्प्लिट एसी का कंप्रेसर फटने से धमाका हुआ। इसके बाद निकली चिंगारी ने आसपास रखे सामान और फर्नीचर को चपेट में ले लिया। फिर कुछ ही मिनट में आग ने पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले लिया।

अफसरों के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट भी हो सकती है। हालांकि, आग के सही कारणों का पता फोरेंसिक और तकनिकी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल जांच एजेंसियां सभी संभावित कारणों को ध्यान में रखकर मामले की पड़ताल कर रही हैं। आग इतनी तेजी से क्यों फैली, इसकी प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ऑफिस में प्लास्टिक और एल्युमिनियम शीट से बने पार्टिशन और इंटीरियर का इस्तेमाल किया गया था। इसकी वजह से आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। बिल्डिंग में नीचे स्थित पेट शॉप में पेडिग्री, पैकेजिंग सामग्री और अन्य प्लास्टिक प्रोडक्ट रखे गए थे। इन सामानों ने आग को तेजी से फैलाने का काम किया। ▶8पर

ईरान ने शर्तें मानी, ट्रंप ने दी छूट

होर्मुज खोलो तेल बेचो

वॉशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)

स्विट्जरलैंड में ईरान और अमेरिका के बीच पहले दौर की वार्ता खत्म होने के एक दिन बाद दोनों देशों के रिश्तों में नरमी के संकेत दिखाई देने लगे हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान को तेल निर्यात पर अस्थायी राहत देने का ऐलान किया है। अमेरिका ने 60 दिनों का एक जनरल लाइसेंस जारी किया है, जिसके तहत 21 अगस्त 2026 तक ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोकेमिकल उत्पादों और पेट्रोलियम उत्पादों, डिलीवरी और बिक्री की अनुमति दी गई है।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने अपने बयान में कहा कि यह लाइसेंस ईरान को अपने कच्चे तेल, पेट्रोकेमिकल उत्पादों और पेट्रोलियम डेरिवेटिव्स की बिक्री की इजाजत देता है। इसके साथ ही इस लाइसेंस के दायरे में अमेरिका में ईरानी तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात की अनुमति भी शामिल है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब वॉशिंगटन और तेहरान के बीच स्थायी शांति समझौते को लेकर बातचीत जारी है।

पहले दौर की वार्ता में इन मुद्दों पर रहा फोकस

दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में 21 जून को पहले दौर की वार्ता समाप्त हुई, जिसमें युद्ध खत्म करने, ईरान पर लगे प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज किए गए ईरानी फंड को जारी करने जैसे मुद्दों पर फोकस रहा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, स्विट्जरलैंड में चल रही सकारात्मक वार्ता के तहत ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मुक्त और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को अपने देश में प्रवेश की अनुमति देने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि इसी समझौते के तहत ट्रेजरी विभाग ने ईरानी तेल के उत्पादन, डिलीवरी और बिक्री को अस्थायी तौर पर मंजूरी देने वाला 60 दिन का जनरल लाइसेंस जारी किया है। पिछले सप्ताह वॉशिंगटन और तेहरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत अमेरिका ने ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और उनसे जुड़े डेरिवेटिव्स के निर्यात पर छूट देने पर सहमति जताई थी। इसमें बैंकिंग लेनदेन, बीमा और परिवहन जैसी संबंधित सेवाएं भी शामिल हैं। हालांकि, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह लाइसेंस उत्तर कोरिया और क्यूबा से जुड़े किसी भी लेनदेन पर लागू नहीं होगा, क्योंकि ये दोनों देश अब भी अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में हैं। बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति समझौते के लिए जो एमओयू साइन हुआ है, उनमें 14 प्रमुख मुद्दे शामिल हैं। ▶8पर

चंपत बाबा 40 चोर!

चढ़ावा गिनने वाले हटाये गये

अयोध्या, 22 जून (एजेंसियां)

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 40 कर्मचारियों को सोमवार को हटा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, उनकी जगह दूसरे कर्मचारियों को ड्यूटी में लगाया गया है। हटाए गए कर्मचारियों को दूसरी जगह ड्यूटी पर लगाया गया है। इसके अलावा, गणनास्थल पर 3 सीसीटीवी बढ़ाए गए हैं। अब सीसीटीवी की संख्या 4 हो गई है।

इधर, धर्म सेना के अध्यक्ष संतोष दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग करने की मांग की है। वहीं सपा नेता पवन पांडेय ने कहा- राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की बात प्रभु श्रीराम स्वयं अखिलेश यादव के संज्ञान में लाए थे।

एसआईटी की जांच जारी, सीएम को रिपोर्ट सौंपी जाएगी

चढ़ावा चोरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम आज सीएम योगी आदित्यनाथ को शुरुआती रिपोर्ट सौंप सकती है। टीम रविवार शाम को योगी से मिलने पहुंची थी, लेकिन उनके मानसून सेशन की मीटिंग में व्यस्त होने की वजह से मुलाकात नहीं सकी थी। एसआईटी ने जिन लोगों से पूछताछ की, उन्हें अगले आदेश तक अयोध्या से बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है। इनमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा और मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव भी शामिल हैं। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि गोपाल राव अयोध्या छोड़कर कर्नाटक चले गए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि उन्होंने एसआईटी को अयोध्या छोड़ने के बारे में बताया या नहीं। भास्कर रिपोर्टर ने उनके नंबर पर फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। मैसेज भेजकर भी प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई।

6 सांसदों के बाद अब 3 एमएलए

सेना में और बग़ावत

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की मुसीबत खत्म नहीं हो रही है। सोमवार को ही 6 सांसदों ने पार्टी को औपचारिक रूप से अलविदा कहा, अब सोमवार की मीटिंग में पार्टी के 3 विधायक, एक एमएलसी गायब बताए जा रहे हैं। शिवसेना यूबीटी के चीफ उद्धव ठाकरे ने सोमवार को पार्टी विधायकों और सांसदों की मीटिंग बुलाई थी।

मॉनसून सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति पर मंथन

शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के विरोधी शिवसेना गुट में शामिल होने के बाद पार्टी में आए राजनीतिक संकट के बीच पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को अपने विधायकों के साथ बैठक की। इस बैठक का मकसद महाराष्ट्र विधानसभा के चल रहे मॉनसून सत्र के दौरान महायुति सरकार को घेरने की रणनीति बनाना था।

मॉनसून सत्र के पहले दिन पार्टी के 'शिवालय' ऑफिस में यह बैठक हुई। दिलचस्प बात यह है कि ठीक उसी समय महज 500 मीटर दूर यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसद शिंदे के नेतृत्व वाले विरोधी गुट में शामिल हो रहे थे।

गायब विधायकों ने दी सफाई, कहा- हम पार्टी के साथ

शिवसेना यूबीटी की इस अहम मीटिंग में 3 विधायकों और 1 एमएलसी के नहीं पहुंचने से चर्चाएं एक बार फिर से शुरू हो गईं हैं। हालांकि इन विधायकों ने अपनी गैरहाजिरी के बारे में पार्टी को पहले ही बता दिया था कि वे बैठक में नहीं आ पाएंगे। उन्होंने अपनी गैर-मौजूदगी के लिए एमएलसी चुनाव, खराब सेहत और निजी कामों का हवाला दिया।

विधायक संजय देरकर, राहुल पाटिल और संजय पोतनीस तथा एमएलसी सुनील शिंदे बैठक में मौजूद नहीं थे। जबकि एमएलसी सुनील शिंदे भी बैठक में शामिल नहीं हुए। सुनील शिंदे ने ही आदित्य ठाकरे के लिए अपनी वर्ली सीट खाली की थी।

संजय पाटिल ने कहा कि वह विधान परिषद चुनावों की मतगणना की प्रक्रिया में व्यस्त थे और परभणी में ठाकरे के आगामी दौरे की तैयारियों को देख रहे थे। सुनील शिंदे ने बताया कि वह अपने गृहनगर चिपलूण में थे और मुंबई लौट रहे थे। पोटनीस ने बैठक में शामिल न होने का कारण नहीं बताया, लेकिन जोर देकर कहा कि वह शिवसेना (यूबीटी) के साथ हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा में सेना (यूबीटी) के 20 विधायक और 6 एमएलसी हैं। बैठक एक घंटे तक चली और सभी विधायकों ने ताकत दिखाने के लिए उद्धव के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाई सेना (यूबीटी) के एमएलसी अंबादास दानवे ने कहा कि यह शिवसेना (यूबीटी) विधायक दल की बैठक थी। हमने किसानों, आम लोगों और मुंबई के मुद्दों के साथ-साथ विदर्भ और मराठवाड़ा जैसे इलाकों और वहां पानी की किल्लत के मुद्दों को उठाने पर चर्चा की। सेना (यूबीटी) विधानसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। इसलिए हमें आक्रामक और व्यवस्थित तरीके से काम करना होगा। बुधवार को महा विकास अघाड़ी की बैठक भी बुलाई गई है। हम अभी भी विपक्ष के नेता के पद पर दावा कर रहे हैं।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 24°

ब्रिटिश प्रधानमंत्री का इस्तीफा 100 से ज्यादा सांसद थे विरोधी

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं। स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था। लेबर पार्टी के 400 सांसदों में से 100 से ज्यादा सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। सांसदों का कहना था कि या तो स्टार्मर तुरंत प्रधानमंत्री का पद छोड़ें, या फिर यह तारीख तय करें कि वे किस दिन इस्तीफा देंगे। इनके अलावा स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, रक्षा मंत्री जॉन हीली और एक अन्य मंत्री जेस फिलिप्स ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग को लेकर पद छोड़ दिया था।

स्टार्मर पिछले 10 साल में कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ने वाले पांचवें प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले डेविड कैमरन, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस ने पीएम पद से इस्तीफा दिया था। स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी जुलाई के मध्य तक अपना नया नेता चुन लेगी। ▶8पर

ईरानी हमलों से तंग यूएई

भारत से खरीदेगा ब्रह्मोस और आकाशतीर!

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच भारतीय स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के निर्यात पर शुरुआती चर्चा चल रही है। सूत्रों के अनुसार ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं। यह वार्ता शुरुआती चरण में है, लेकिन दोनों देश क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए रक्षा सहयोग बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह सौदा भारत के रक्षा निर्यात को नई ऊंचाई दे सकता है। खाड़ी क्षेत्र में भारत की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा। जब से अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो ईरान यूएई के सार्वजनिक और मिलिट्री बेस पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किए। ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस ने साथ मिलकर विकसित की है। यह दुनिया की सबसे तेज ऑपरेशनल सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जो 2.8 से 3 मैक स्पीड (ध्वनि की गति से तीन गुना) से उड़ सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसे जमीन, समुद्र और हवा तीनों प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है। ब्रह्मोस दुश्मन के जहाजों, किलों और महत्वपूर्ण ठिकानों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम है। इसकी रेंज 290 से 450 किलोमीटर तक है और भविष्य में इसे और बढ़ाने की योजना है। अगर यूएई के साथ डील होती है तो यह भारत के लिए ब्रह्मोस का पहला बड़ा खाड़ी देश निर्यात होगा। हालांकि क्योंकि यह संयुक्त विकास है, इसलिए निर्यात के लिए रूस की मंजूरी जरूरी होगी। आकाशतीर भारत का स्वदेशी एयर डिफेंस कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम है। यह दुश्मन के विमानों, मिसाइलों और ड्रोनों पर नजर रखने, उन्हें ट्रैक करने और उन्हें नष्ट करने के लिए ▶8पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

ब्रिटेन में राजनीतिक संकट गहराया, प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के इस्तीफे की अटकलें तेज

लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लेबर पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष और नेतृत्व पर सवालों के बीच स्टारमर अपने राजनीतिक भविष्य पर विचार कर रहे हैं। हालांकि सरकार की ओर से कहा गया है कि प्रधानमंत्री फिलहाल देश के शासन और नीतिगत कार्यों पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

ब्रिटेन के विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री स्टारमर के नेतृत्व पर संकट उस समय और गहरा गया जब एंडी बर्नहम ने एक संसदीय उपचुनाव में जीत दर्ज कर संसद में प्रवेश किया। बर्नहम लंबे समय से लेबर पार्टी के भीतर एक प्रभावशाली नेता माने जाते हैं और उन्हें स्टारमर के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, लेबर पार्टी के 100 से अधिक सांसद सार्वजनिक रूप से स्टारमर से पद छोड़ने या उनके इस्तीफे की समय-सीमा घोषित करने की मांग कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कैबिनेट मंत्रियों, पार्टी सलाहकारों और ट्रेड यूनियन नेताओं के साथ चर्चा के बाद स्टारमर इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उनके लिए पद पर बने रहना कठिन होता जा रहा है।

हालांकि, शुक्रवार को स्टारमर ने स्पष्ट किया था कि यदि नेतृत्व को लेकर कोई चुनौती सामने आती है तो वे उसका मुकाबला करेंगे। उन्होंने पार्टी नेताओं से आंतरिक संघर्ष से बचने और एकजुट रहने की अपील भी की थी।

2024 के आम चुनाव में लेबर पार्टी को भारी जीत दिलाने वाले स्टारमर हाल के महीनों में कई विवादों, नीतिगत बदलावों और बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के कारण आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं। बढ़ती महंगाई, सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति और अवैध प्रवासन जैसे मुद्दों पर सरकार के प्रदर्शन को लेकर जनता में असंतोष बढ़ा है।

इस बीच, बर्नहम ने अपनी चुनावी जीत के बाद देश के लिए नई दिशा देने का वादा किया है। हालांकि उन्होंने अभी तक औपचारिक रूप से नेतृत्व चुनौती की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके समर्थक स्टारमर से स्वेच्छा से पद छोड़ने का आग्रह कर रहे हैं।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी संकेत दिया है कि आवश्यकता पड़ने पर वे नेतृत्व की दौड़ में उतर सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि स्टारमर पद छोड़ते हैं या उन्हें हटाया जाता है, तो ब्रिटेन को पिछले एक दशक में सातवां प्रधानमंत्री मिल सकता है। इससे देश की राजनीति में अस्थिरता और नेतृत्व संकट को लेकर नई बहस छिड़ सकती है।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पर दावा किया कि स्टारमर प्रधानमंत्री पद छोड़ सकते हैं। हालांकि, ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि इस संबंध में प्रधानमंत्री और ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। अब पूरे देश की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या स्टारमर अपने पद पर बने रहेंगे या लेबर पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन का रास्ता खुलने वाला है।

न्यूज ब्रीफ

इज़राइल को आईआरजीस कुद्स फोर्स प्रमुख की चेतावनी - दक्षिणी लेबनान छोड़ो या निकाले जाओगे

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कार्प्स (आईआरजीसी) की कुद्स फोर्स के प्रमुख इस्माइल कानी ने दक्षिणी लेबनान में तैनात इज़राइली सेना को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उसके पास केवल दो विकल्प हैं या तो वह स्वेच्छा से पीछे हट जाए या फिर उसे बलपूर्वक और अपमानजनक तरीके से बाहर निकाला जाएगा। ईरान की सरकारी समाचार संवाद समिति प्रेसटीवी के अनुसार, रविवार को सोशल मीडिया पर जारी संदेश में इस्माइल कानी ने हिब्रू भाषा में इज़राइली सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि वे दक्षिणी लेबनान से नहीं हटते हैं, तो वर्ष 2000 जैसी स्थिति दोबारा पैदा हो सकती है, जब इज़राइल को लंबे कब्जे के बाद लेबनान से पीछे हटना पड़ा था। कानी ने कहा, यदि आप अपने कदमों से दक्षिणी लेबनान नहीं छोड़ते, तो आपको हार और अपमान के साथ वहां से निकाला जाएगा। फैसला आपके हाथ में है। आईआरजीसी कमांडर ने हालिया संघर्षों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पिछले कुछ दिनों में इज़राइली सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि कम समय में बड़ी संख्या में इज़राइली सैनिक हताहत हुए हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब लेबनान-इज़राइल सीमा पर तनाव लगातार बना हुआ है। ईरानी पक्ष का आरोप है कि इज़राइल युद्धविराम समझौतों का उल्लंघन कर रहा है और लेबनान में सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। वहीं, हिज़्बुल्लाह ने भी इज़राइली हमलों के जवाब में अपनी सैन्य गतिविधियां तेज करने का दावा किया है। संगठन का कहना है कि उसने हाल के दिनों में कई इज़राइली सैनिकों को निशाना बनाया है। इस बीच, ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए कूटनीतिक समझौते के बाद लेबनान में संघर्ष कम होने की उम्मीद जताई गई थी।

मेलोनी ने अपने स्पष्ट विचारों और सख्त रुख से बनाई अंतर्राष्ट्रीय पहचान

रोम। इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी यूरोपीय राजनीति की उन नेताओं में गिनी जाती हैं जो अपने स्पष्ट विचारों और सख्त रुख के कारण सुर्खियों में रहती हैं। राष्ट्रवाद, आव्रजन नीति, यूरोपीय पहचान और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर उनकी टिप्पणियां अंतरराष्ट्रीय बहस का विषय बन चुकी हैं। हाल के दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बयानबाजी को लेकर भी उनका नाम फिर चर्चा में है, जिससे उनकी राजनीतिक शैली पर फिर से ध्यान गया है। मेलोनी ने कई मौकों पर यूरोप में बढ़ती वैचारिक हिंसा और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। फ्रांस में एक दक्षिणपंथी कार्यकर्ता की हत्या के मामले में उन्होंने इसे पूरे यूरोप के लिए चिंता का विषय बताया था। इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी की थी, लेकिन मेलोनी ने अपने रुख से पीछे हटने से इनकार कर दिया था और कहा था कि हिंसा के खिलाफ आवाज उठाना किसी एक देश तक सीमित नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आव्रजन और सांस्कृतिक पहचान के मुद्दे पर भी मेलोनी के बयान अक्सर चर्चा में रहते हैं।

कनाडा के किशोर की हिम्मत ने जगाई मधुमेह पीडितों में नई आस

टोरंटो। मधुमेह के मरीज एक किशोर की हिम्मत ने चिकित्सा इतिहास का हिस्सा बनकर न केवल अपनी जान बचाई, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उम्मीद की नई किरण जगाई। कनाडा के टोरंटो शहर में रहने वाले 14 वर्षीय लियोनार्ड थाम्पसन टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित थे। उस दौर में इस बीमारी के मरीजों को बेहद सीमित भोजन दिया जाता था, ताकि रक्त में शर्करा का स्तर नियंत्रित रखा जा सके। बालक लियोनार्ड की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। उनका वजन घटकर करीब 29 किलोग्राम रह गया था और वे बार-बार कोमा जैसी स्थिति में पहुंच रहे थे। डाक्टरों को उनके बचने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी। इसी दौरान वैज्ञानिक फ्रेडरिक बैंटिंग, चार्ल्स बेस्ट, जेम्स कोलिप और जान मैकलोड इंसुलिन पर शोध कर रहे थे। उन्होंने पशुओं पर प्रयोगों में सफलता हासिल कर ली थी, लेकिन इंसानों पर इसका परीक्षण अभी बाकी था। ऐसे में लियोनार्ड के पिता ने साहस दिखाते हुए अपने बेटे को इस प्रयोगात्मक उपचार के लिए तैयार किया। यह निर्णय बाद में चिकित्सा विज्ञान की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक साबित हुआ। 11 जनवरी 1922 को लियोनार्ड को पहला इंसुलिन इंजेक्शन दिया गया। हालांकि शुरुआती खुराक पूरी तरह शुद्ध नहीं थी, जिसके कारण कुछ प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं हुईं। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इंसुलिन को और अधिक शुद्ध बनाया और 23 जनवरी को दोबारा इंजेक्शन दिया गया। इस बार परिणाम चौंकाने वाले थे। लियोनार्ड की रक्त शर्करा नियंत्रित होने लगी ।

नए सर्वे में बेंजामिन नेतन्याहू को झटका : 56.4 प्रतिशत इजराइलियों ने कहा, ईरान युद्ध को संभालने में रहे नाकाम

यरूशलम

इज़राइल में हुए एक नए जनमत सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि वहां के अधिकांश नागरिक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ईरान युद्ध प्रबंधन से संतुष्ट नहीं हैं। सर्वे के अनुसार, 56.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि नेतन्याहू ईरान के खिलाफ युद्ध को संभालने में नाकाम या खराब साबित हुए, जबकि केवल 26.5 प्रतिशत लोगों ने उनके प्रदर्शन को सकारात्मक बताया। तुर्किए की समाचार संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी के अनुसार हिब्रू यूनिवर्सिटी आफ़ यरूशलम द्वारा 17 से 20 जून के बीच 3,644 लोगों के बीच किए गए और सर्वे के मुताबिक, 56.4% लोगों ने युद्ध के दौरान नेतन्याहू के काम को नाकाम या खराब बताया, जबकि 26.5% ने इसे सकारात्मक माना।

सर्वे में यह भी सामने आया कि 72.5 प्रतिशत इज़राइली नागरिक नेतन्याहू के इस दावे पर भरोसा नहीं करते कि इज़राइल ने युद्ध में बड़ी सफलता हासिल की है और देश के सामने मौजूद अस्तित्व के खतरे को समाप्त कर दिया है। नतीजों के अनुसार, 92.1 प्रतिशत लोगों का मानना है कि ईरान इस संघर्ष में बढ़त हासिल करने में सफल रहा, जबकि 82.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि युद्ध ने इज़राइल की दीर्घकालिक सुरक्षा को कमजोर किया है। सर्वेक्षण में शामिल 87.8 प्रतिशत लोगों ने माना कि इज़राइल अपने घोषित सैन्य और रणनीतिक लक्ष्यों को पूरी तरह हासिल नहीं कर सका। इसी के साथ प्रधानमंत्री के रूप में नेतन्याहू की लोकप्रियता में भी गिरावट दर्ज की गई। मार्च में जहां उन्हें 40.5 प्रतिशत समर्थन प्राप्त था, वहीं जून में यह घटकर 29.4 प्रतिशत रह गया।

वहीं, सुरक्षा मुद्दों पर जनता की राय बंटी हुई दिखाई दी। सर्वे के अनुसार, 48.2 प्रतिशत लोग हिज़्बुल्लाह के खिलाफ लेबनान में बड़े सैन्य अभियान को फिर से शुरू करने के पक्ष में हैं, जबकि 20.9 प्रतिशत ने इसका विरोध किया। इससे पहले रविवार को, स्विट्जरलैंड के बर्गनस्टाक रिज़ार्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत शुरू हुई। यह बातचीत इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन के तहत हो रही है, जिसका मकसद ईरान के ख़िलाफ़ अमेरिका-इज़राइल युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने का रास्ता बनाना है।

इस समझौते में लेबनान समेत सभी मोर्चों पर दुश्मनी खत्म करने, होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और ईरान पर लगाए गए अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को हटाने जैसे प्रावधान शामिल हैं। वहीं, विश्लेषकों का मानना है कि यदि ऐसे सर्वेक्षणों में दिख रही नाराजगी जारी रहती है, तो आने वाले समय में नेतन्याहू की राजनीतिक स्थिति और उनकी सरकार पर दबाव बढ़ सकता है।

अमेरिका हथियारों का भंडार बढ़ाएगा, ट्रंप ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट लागू किया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के हथियारों और सैन्य उपकरणों के भंडार को मजबूत करने के लिए डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट (डीपीए) लागू कर दिया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान के साथ लंबे संघर्ष और अन्य वैश्विक संकटों के कारण अमेरिकी हथियारों के भंडार में कमी आने की चिंताएँ बढ़ रही हैं। 11 जून को जारी एक मेमो में ट्रंप ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को रक्षा उत्पादन से जुड़ी बाधाओं को दूर करने और सैन्य उद्योग के साथ नए समझौते तैयार करने का निर्देश दिया। डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक वस्तुओं और हथियारों के उत्पादन को प्राथमिकता देने का अधिकार देता है। इस बीच, चीन और पाकिस्तान ने मध्य पूर्व में शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी और पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के बीच हुई टेलीफोन वार्ता में अमेरिका-ईरान समझौते और क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा हुई। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों ने युद्धविराम, शांति वार्ता की बहाली, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को मजबूत करने का समर्थन किया। चीन ने पाकिस्तान के साथ रणनीतिक समन्वय बढ़ाने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। उधर, ईरान ने दक्षिणी लेबनान में हालिया हमलों के बाद इज़राइल को सैन्य जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सैन्य कमान ने आरोप लगाया कि इज़राइल ने युद्धविराम समझौते का कई बार उल्लंघन किया है और यदि हमले नहीं रुके तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा। विश्लेषकों का मानना है कि ईरान के साथ लगभग 15 सप्ताह तक चले संघर्ष और अन्य सैन्य अभियानों के कारण अमेरिका को अपने हथियारों और मिसाइलों के भंडार को फिर से भरने की आवश्यकता महसूस हुई है। इसी कारण ट्रंप प्रशासन घरेलू रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने और सहयोगी देशों को सैन्य आपूर्ति सीमित करने की नीति पर भी विचार कर रहा है। अमेरिकी कांग्रेस भी महत्वपूर्ण मिसाइल प्रणालियों और रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता और दीर्घकालिक अनुबंधों को मंजूरी देने की दिशा में काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भविष्य में संभावित सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिका की सैन्य तैयारियों को मजबूत करेगा।

कतर की रास लाफ़्फ़ान इंडस्ट्रियल सिटी में धमाका 54 घायल, 18 लापता

इस्तांबुल

कतर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र रास लाफ़ान इंडस्ट्रियल सिटी में सोमवार सुबह एक फैक्ट्री में बड़ा धमाका हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 54 लोग घायल हुए हैं, जबकि 18 अभी लापता बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि यह धमाका एक तकनीकी खराबी के कारण हुआ था और सिविल डिफेंस की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

तुर्किए की सरकारी संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी व अन्य मीडिया ने कतर के गृह मंत्रालय के हवाले से बताया कि प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र रास लाफ़ान इंडस्ट्रियल सिटी में एक फैक्ट्री में हुए धमाके के बाद हालात गंभीर बने हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस घटना में कम से कम 54 लोग घायल हुए हैं और 18 लोग अभी लापता बताए जा रहे हैं। सिविल डिफेंस और कतरी इंटरनेशनल सर्च एंड रेस्क्यू ग्रुप की टीमें मौके पर तलाशी अभियान चला रही हैं।

मंत्रालय ने बताया कि यह धमाका तकनीकी खराबी के कारण हुआ। घटना के बाद तुरंत आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और इलाके को नियंत्रित किया गया। लापता लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, इससे पहले जारी एक शुरुआती बयान में गृह मंत्रालय ने कहा था कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ और न ही किसी तरह का खतरनाक रिसाव पाया गया था। बाद की रिपोर्टों में घायल और लापता लोगों की संख्या सामने आई, जिससे स्थिति को लेकर अपडेट जारी किए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि फिलहाल, किसी गैस रिसाव या बड़े पर्यावरणीय खतरे के संकेत नहीं मिले हैं, हालांकि जांच जारी है। घटना के कारणों और प्रभावित फैक्ट्री या आपरेटर के बारे में अभी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। रास लाफ़ान इंडस्ट्रियल सिटी कतर के दोहा से लगभग 80 किलोमीटर उत्तर में ऊर्जा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां एलएनजी और पेट्रोकेमिकल उत्पादन से जुड़ी कई बड़ी इकाइयाँ स्थित हैं।

स्टोनहेंज का पूर्वज मिला : 5,000 साल पुरानी सूर्य-संरेखित संरचना उजागर

लंदन। ब्रिटेन के विश्वप्रसिद्ध प्रागैतिहासिक स्मारक स्टोनहेंज के निकट पुरातत्वविदों ने एक ऐसी प्राचीन संरचना के अवशेष खोजे हैं, जिस इस रहस्यमयी स्थल का शुरुआती और सरल रूप माना जा रहा है। स्टोनहेंज से लगभग पांच किलोमीटर दूर बुलफोर्ड गांव में मिली यह संरचना करीब 5,000 वर्ष पुरानी है और इसने नवपाषाणकालीन खगोलीय ज्ञान के एक नए अध्याय को खोला है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह संरचना ग्रीष्मकालीन सूर्योदय और शीतकालीन सूर्यास्त की दिशा के अनुरूप सावधानीपूर्वक बनाई गई थी। यही खगोलीय संरेखण विशेषता बाद में स्टोनहेंज के निर्माण में भी प्रमुखता से दिखाई देती है, जिससे इन दोनों स्थलों के बीच एक गहरा संबंध स्थापित होता है। खुदाई से पता चला कि इस प्राचीन स्थल में पत्थरों के बजाय दो विशाल लकड़ी के खंभों का उपयोग किया गया था। यद्यपि लकड़ी समय के साथ पूरी तरह नष्ट हो चुकी है, जमीन में मौजूद गहरे गड्ढों से उनकी स्थिति और अनुमानित आकार का पता चलता है। ये खंभे लगभग 120 मीटर की दूरी पर स्थापित थे और इनकी ऊंचाई 2 से 4 मीटर के बीच रही होगी। खुदाई अभियान का नेतृत्व कर रहे पुरातत्वविद फिल हार्डिंग ने रेडियोकार्बन डेटिंग तकनीक से पुष्टि की है कि यह संरचना लगभग 5,000 वर्ष पुरानी है।

नेपाल के सिरहा में दो भारतीय ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, पुलिस कार्रवाई में एक घायल

काठमांडू

नेपाल के सिरहा जिले में मादक पदार्थ कारोबार में संलग्न दो भारतीय ड्रग्स तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान एक पुलिस जवान भी घायल हो गया।

नेपाल पुलिस के अनुसार, सिरहा जिले के लहान क्षेत्र में ड्रग्स कारोबार होने की गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान संदिग्धों ने पुलिस पर पथराव किया और भागने की कोशिश की।

जिला प्रहरी कार्यालय सिरहा, इलाका प्रहरी कार्यालय महेशपुरपट्टी तथा लागुऔषध नियन्त्रण ब्यूरो गोलबजार की संयुक्त टीम ने सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे संदिग्धों को पकड़ने का प्रयास किया। पुलिस की चेतावनी के बावजूद आरोपित नहीं रुके, जिसके बाद पहले 9 एमएम पिस्तौल से एक राउंड हवाई फायर किया गया। पुलिस ने बताया कि चेतावनी के बाद भी आरोपितों ने हमला जारी रखा, जिसके बाद एक और राउंड गोली चलाई गई। गोली लगने से भारत में बिहार के मधुबनी जिला के पिपराही गांव पंचायत निवासी 21 वर्षीय संजित कुमार पासवान घायल हो गए। उनके साथ मौजूद 12 वर्षीय एक नाबालिग को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, पासवान के दाहिने पैर की पिंडली में गोली लगी है। दोनों घायलों को इलाज के लिए प्रादेशिक अस्पताल सिरहा में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों की हालत सामान्य है। गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से प्लास्टिक सहित वजन करने पर 101 ग्राम 60 मिलीग्राम ब्राउन शुगर तथा दूसरे पैकेट में 12 ग्राम 30 मिलीग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित संजित कुमार पासवान लंबे समय से ड्रग्स कारोबार में सक्रिय था। पुलिस के मुताबिक, उसने अब तक लगभग 10 से 11 किलो ब्राउन शुगर की बिक्री और वितरण किया है, जिसकी नेपाली बाजार में अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है : ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान/स्विट्जरलैंड

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराक्ची ने कहा है कि पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता से क्षेत्रीय संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन लेबनान में युद्धविराम (सीजफायर) का प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी सबसे बड़ी परीक्षा बना हुआ है।

ईरान की सरकारी समाचार संवाद समितित प्रेसटीवी ने बताया कि सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी बयान में अराक्ची ने पाकिस्तान और कतर की अथक मध्यस्थता की सराहना करते हुए कहा कि संघर्ष समाप्ति की दिशा में कई सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात से जुड़ी रियायतें दी गई हैं, कुछ प्रतिबंधों में ढील मिली है तथा पुनर्निर्माण और विकास योजनाओं पर काम शुरू हुआ है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि इन प्रयासों की वास्तविक सफलता लेबनान में युद्धविराम को पूरी तरह लागू करने पर निर्भर करेगी।

यह बयान उस समय आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच स्विट्ज़रलैंड में उच्चस्तरीय तकनीकी वार्ता का पहला दौर संपन्न हुआ। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों और धमकी भरे बयानों के बाद बहुपक्षीय (क्वाड्रिलेटरल) बैठकें रोक दी गईं, हालांकि तकनीकी स्तर पर बातचीत जारी रखने पर सहमति बनी है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने बताया कि वार्ता का मुख्य उद्देश्य पूर्व में हुए समझौतों के क्रियान्वयन पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा कि युद्ध की समाप्ति और क्षेत्रीय स्थिरता के बिना किसी अंतिम समझौते तक पहुंचना संभव नहीं होगा। बातचीत में ईरान की तेल बिक्री से जुड़े प्राधिकरण, फ्रीज किए गए वित्तीय संसाधनों की रिहाई तथा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही जैसे मुद्दों पर भी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान अमेरिकी प्रतिबद्धताओं के क्रियान्वयन पर कड़ी नजर रखेगा।

इस बीच, कतर और पाकिस्तान ने एक संयुक्त बयान जारी कर वार्ता को सकारात्मक और रचनात्मक बताया। बयान में कहा गया कि भविष्य की तकनीकी चर्चाओं के लिए एक संस्थागत तंत्र विकसित करने तथा राजनीतिक निगरानी के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने पर सहमति बनी है।

सूत्रों के अनुसार, ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई समाप्त करने संबंधी शर्तों के पूर्ण क्रियान्वयन के बिना अन्य मुद्दों पर आगे बढ़ना संभव नहीं होगा।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर ग़ालिबाफ़ ने कहा कि दबाव और धमकियों से ईरान की नीतियों में कोई बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरानी सशस्त्र बल किसी भी चुनौती का जवाब देने के लिए तैयार हैं। क्षेत्रीय तनाव के बीच लेबनान में युद्धविराम का पालन और ईरान-अमेरिका वार्ता की प्रगति आने वाले दिनों में पश्चिम एशिया की राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बनी रहेगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है। आज पानी का जरुरतमंदों को दान और सेवा करना चाहिए आत्मीयशान्ति मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा। वैवाहिक जीवन के उजले पहलू का अनुभव करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। परिवार की जरुरतों को पूरा कर–ते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है । व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूद इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने जीवन–साथी के साथ प्यार, अपनापन और स्नेह महसूस करें। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र–बिंदु रहेंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपके लिए यह उत्साह वर्धक दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है,आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अगर आप सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, तो आप नए दोस्त बना सकते हैं। आप के दिल की धड़कनें आपके प्रिय के लिए ज्यादा ही धडकेगी, कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। आपका जीवनसाथी आपको पाकर ख़ुद को ख़ुशनसीब समझता है; इन पलों का भरपूर उपयोग करें। आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। यह अच्छा वक़्त है जो आपके लिए क़ामयाबी और ख़ुशहाली लाएगा। इसके लिए आपको अपनी कोशिशों और अपने परिवार से मिलने वाले सहयोग का शुक्रगुज़ार होना चाहिए। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। ऐसा कोई जिसके साथ आप रहते हैं, आज आपके किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। समय मुफ़्त ज़रूर है पर बेशक़ीमती भी है, इसलिए अपने अधूरे कार्यों को निपटाकर आप आने वाले कल के लिए निश्चिंत हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों के साथ शाम बिताना या ख़रीदारी करना मज़ेदार और रोमांचक रहेगा। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज अपना समय व्यतीत करेंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 जून 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी सायं 04:41 तक
नक्षत्र : हस्त प्रातः 11:54 तक
योग : वरियान प्रातः 10:12 तक
करण : कौलव सायं 04:41 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 12:53 तक
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55 सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : महेश नवमी , दुर्गा नवमी

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चिकित्सा महाविद्यालय में विद्यार्थियों को मिल रही हैं सभी सुविधाएं : प्रेम सागर राव

मंचेरियाल, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल विधायक के. प्रेम सागर राव ने रविवार को जिले के गुड़ीपेट स्थित नव निर्मित चिकित्सा महाविद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने विधायक का भव्य स्वागत किया।

निरीक्षण के दौरान विधायक के साथ नगर परिषद के महापौर मधुकर, कांग्रेस पार्टी के पार्षद, कार्यकर्ता तथा अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। विधायक ने महाविद्यालय परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया तथा वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।विधायक प्रेम सागर राव ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों, कक्षाओं एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उनकी शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

निरीक्षण के पश्चात मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक ने कहा कि राज्य सरकार ने मंचेरियाल नगर में चिकित्सा महाविद्यालय को मंजूरी देने के साथ–साथ इसके लिए आधुनिक एवं सुविधायुक्त भवन का निर्माण कराया है। साथ ही यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को हर प्रकार की आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार ने जल्दबाजी में चिकित्सा महाविद्यालय को मंजूरी देकर प्रारंभ तो कर दिया था, लेकिन महाविद्यालय एवं छात्रावास अलग–अलग स्थानों पर स्थित होने के कारण विद्यार्थियों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

विधायक ने बताया कि कांग्रेस सरकार ने एक वर्ष के भीतर गुड़ीपेट के निकट सरकारी भूमि पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण कराया तथा छात्रावास को भी महाविद्यालय परिसर के समीप विकसित किया गया है। इससे विद्यार्थियों को आवागमन सहित अन्य समस्याओं से राहत मिली है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराना तथा उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना है। इसी दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पेद्दापल्ली जिले में 64 आंगनवाड़ी शिक्षिका पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी

पेद्दापल्ली, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि पेद्दापल्ली जिले में रिक्त आंगनवाड़ी शिक्षिका (टीचर) पदों को भरने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। पात्र महिला अभ्यर्थियों से निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कलेक्टर ने बताया कि जिले के आईसीडीएस रामागुंडम परियोजना में 4 पद, आईसीडीएस पेद्दापल्ली परियोजना में 17 पद तथा आईसीडीएस मंथनी परियोजना में 43 पद रिक्त हैं। इस प्रकार कुल 64 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थी केवल निर्धारित वेबसाइट के माध्यम से ही आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 6 जुलाई 2026 को शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को आवेदन वेबसाइट के माध्यम से ही जमा करना होगा। प्रजावाणी अथवा किसी कार्यालय में सीधे जमा किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। केवल ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों पर ही विचार किया जाएगा। अधिसूचना के अनुसार संबंधित आंगनवाड़ी केंद्र जिस गांव अथवा नगर पालिका वार्ड में स्थित है, आवेदक उसी क्षेत्र की स्थानीय महिला होनी चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी का इंटरमीडिएट (12वीं) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

कलेक्टर ने बताया कि 1 जुलाई 2026 की स्थिति में अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। भर्ती प्रक्रिया में सरकार के प्रचलित नियमों के अनुसार आरक्षण का प्रावधान लागू रहेगा।उन्होंने बताया कि श्रवण दिव्यांग (एचएच) श्रेणी के वे अभ्यर्थी, जो हियरिंग एड की सहायता से सुन सकते हैं, आवेदन करने के पात्र होंगे।आवेदन के साथ एसएससी मेमो अथवा आयु प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, इंटरमीडिएट उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, दिव्यांगता से संबंधित सदाराम प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, अनाथ प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। कलेक्टर ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर जिला कलेक्टर को भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण में इसे निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

नीट परीक्षा संचालन में केंद्र सरकार पूरी तरह विफल : गड्डम वमसी

पेद्दापल्ली, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वमसी कृष्णा ने नीट परीक्षा के संचालन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परीक्षा प्रबंधन में पूरी तरह विफल रही है और विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

रविवार को जारी एक बयान में सांसद ने कहा कि नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को मानसिक तनाव और असमंजस की स्थिति में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि महीनों तक कठिन परिश्रम कर परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय हो रहा है। गड्डम वामसी कृष्णा ने कहा कि केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियां प्रश्नपत्र लीक जैसी गंभीर घटनाओं को रोकने में असफल रही हैं। इसके बावजूद परीक्षा केंद्रों पर कुछ मिनट देरी से पहुंचने वाले

विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं देना संवेदनहीनता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि पांच या दस मिनट की देरी के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा से वंचित करना उनके भविष्य के साथ अन्याय है, विशेषकर तब जब वे लंबे समय से परीक्षा की तैयारी कर रहे हों।

सांसद ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विद्यार्थियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसी परिस्थितियों में छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जो सरकार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है, उसे ऐसे निर्णय लेने से बचना चाहिए जिनसे मेहनती और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो।

गड्डम वामसी कृष्णा ने कहा कि परीक्षा केंद्रों के बाहर रोते–बिलखते विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सरकार को युवाओं की उम्मीदों और सपनों का सम्मान करते हुए उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, बच्चों के भविष्य के लिए काम करें, उनकी जिंदगी से खिलवाड़ न करें। सांसद ने केंद्र सरकार से परीक्षा प्रणाली में सुधार लाने तथा विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

काव्य कौमुदी द्वारा अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कवि सम्मेलन सम्पन्न, 70 से अधिक कवियों ने लिया भाग

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पितृदिवस के उपलक्ष्य में काव्य कौमुदी बहुभाषीय संस्था द्वारा 20 जून 2026, शनिवार को जूम प्लेटफॉर्म पर दो चरणों में अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कविसम्मेलन का आयोजन किया गया। देश–विदेश के 70 से अधिक कवियों ने हिंदी, इंग्लिश, तेलुगु, उड़िया, मलयालम, बांग्ला, राजस्थानी, उर्दू, बोड़ो, संस्कृत सहित कई भाषाओं में काव्यपाठ किया। प्रथम चरण की मुख्य अतिथि लोपामुद्रा मिश्रा, भुवनेश्वर व द्वितीय चरण की मुख्य अतिथि प्रो. सीमा जैन, जालंधर रहीं। कार्यक्रम का संचालन संस्था अध्यक्ष डॉ. कुमुद बाला ने किया। शुभारंभ उदय श्री व सुधा कुमारी जूही के सरस्वती वंदना से हुआ। धन्यवाद ज्ञापन हयात अफ़शां, मैसूरु व मोऊ मल्लिक दे, हैदराबाद ने किया। मीना चौहान–अमेरिका, इमैनुएल मेटल्स–केरल, डॉ. मीनाक्षी बोराणा–जोधपुर, डॉ. मीनाक्षी मोहन–अमेरिका, जयश्री रे–दिल्ली, डॉ. मंजुला अस्थाना महंती–भुवनेश्वर, सुदीप सुधीर देशपांडे–बहरीन सहित अन्य कवि उपस्थित रहे।

बारिश के मद्देनज़र बांसवाड़ा नगर निगम ने शुरू किया विशेष स्वच्छता अभियान

बांसवाड़ा, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा नगर निगम के आयुक्त गोपू गंगाधर ने कहा है कि आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर निगम क्षेत्र के सभी 19 वार्डों में चरणबद्ध तरीके से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जलभराव की समस्या को रोकना, नालों की सफाई सुनिश्चित करना तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

इसी क्रम में सोमवार को वार्ड संख्या 3 के कोय्यागुट्टा एवं इस्लामपुरा तथा वार्ड संख्या 13 की टीचर्स कॉलोनी में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सफाई कर्मचारियों ने नालों में जमा गाद और कचरे को हटाकर उनकी व्यापक सफाई की। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि जिन कॉलोनियों में नालियां क्षतिग्रस्त या अवरुद्ध थीं, वहां उनकी सफाई कर गंदे पानी के सुचारु निकास के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में बारिश की संभावना व्यक्त की गई है, इसलिए जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बारिश का पानी सड़कों पर जमा न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं। गोपू गंगाधर ने बताया कि 22 जून 2026 से 3 अगस्त 2026 तक नगर निगम के सभी 19 वार्डों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस दौरान नालों की सफाई, कचरा निष्पादन, जल निकासी व्यवस्था में सुधार तथा स्वच्छता संबंधी अन्य कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी क्षेत्र में गंदे पानी की निकासी या स्वच्छता संबंधी कोई समस्या है तो उसकी जानकारी तत्काल नगर निगम कार्यालय को दें, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। विशेष स्वच्छता कार्यक्रम में वार्ड संख्या 3 के पार्षद हकीम, वार्ड संख्या 13 के पार्षद मोहम्मद खालिक, कसुला रोहित, नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी, स्वच्छता कर्मी तथा स्थानीय कॉलोनीवासियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने तथा कचरे को निर्धारित स्थानों पर ही डालने की अपील की।

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम पर जागरूकता प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बांसवाड़ा, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा शहर स्थित रेड्डी संगम फंक्शन हॉल में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए), कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के लिए एक विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण शिविर में बूथ लेवल एजेंटों एवं कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों को सुधारने तथा पात्र मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों से भी अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में वरनी–बिरकुर मार्केट कमेटी के अध्यक्ष सुरेश बाबा, दुर्गम श्यामला, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जंगम गंगाधर, नेता एजास, अब्दुल खालिक, नरला रविंदर, मोहन नायक, यंदी दाऊद, वहाब, मज्जू सहित बांसवाड़ा नगर एवं संबंधित मंडलों के जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए पात्र मतदाताओं को जागरूक करना चाहिए, ताकि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। कार्यक्रम का समापन लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने तथा मतदाता जागरूकता बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

सेवा और अन्नदान के माध्यम से समाज को नई दिशा दे रहा है राधे–राधे ग्रुप : राजकुमार गुप्ता

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो).।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास सोमवार को स्वर्गीय श्री संतोष कुमार गुप्ता की 45वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य फर्म संतोष कुमार राजकुमार गुप्ता, मलकपेट की ओर से श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा स्वर्गीय संतोष कुमार गुप्ता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमार गुप्ता ने कहा कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होता है जब वह अपने साथ–साथ समाज और जरूरतमंद लोगों के लिए भी कुछ करने का भाव रखता है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय संतोष कुमार गुप्ता का जीवन सादगी, परिश्रम, सेवा और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उनकी 45वीं पुण्यतिथि पर अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर उनके आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

राजकुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल दान नहीं बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले कई वर्षों से निरंतर इसी सेवा भावना के साथ जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग की सेवा में जुटे रहते हैं, जो आज के समय में एक अनुकरणीय उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे नियमित अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा, सहयोग और संवेद–नशीलता की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, राजकुमार गुप्ता, रूपा गुप्ता, कुशल गुप्ता एवं सोनल गुप्ता सहित अनेक गणमान्यजन एवं राधे–राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण सेवा, श्रद्धा और समर्पण की भावना से ओत–प्रोत रहा।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मां पार्वती के जल से गणेश का अभिषेक

बुधवार को अच्छी बारिश की कामना को लेकर हजारों महिला-पुरुष पार्वती नदी का जल लेकर चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान का जल से अभिषेक किया। उसके बाद विधि विधान से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। ज्ञात हो कि हर वर्ष अषाढ के माह में ग्राम पार्वती लोग पार्पती नदी में से जल भरकर व झंडा लेकर हजारों की तादात में पैदल जत्थे के रूप में सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं।

इस दौरान रास्ते में पडने वाले दर्जनों गांव के लोग उनका स्वागत कर उनके साथ जत्थे में शामिल हो जाते हैं। यह जत्था पार्वती से शुरू होता है, जिसमें पिपलिया नगर, बाबडिया, खजूरी, मूंडला, कराडिया, बक्तल, जगनीखेडी, बिजोरा, बिजोरी, नयापुरा, पीलीखेडी, कोडिया, महोडिया सहित दर्जनों ग्राम के लोग शामिल होते हुए चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। जहां पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का अयोजन किया जाता है।

यह परम्परा कई वर्षो से चली आ रही है, जिसमें सभी ग्रामीण बडे सद्भाव और सोहाद्र के साथ हिस्सा लेते हैं, जिसमें बच्चे-बूढे, महिला-पुरष सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, 'तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उडा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुडाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता हनुमान विनम्रता से कहते हैं, 'क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। ''राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं। हनुमान जी को सिंदूर क्यों रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है। माता जानकी ने हनुमान की इस भोली उत्सुकता पर कहा, 'पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढाया जाने लगा।

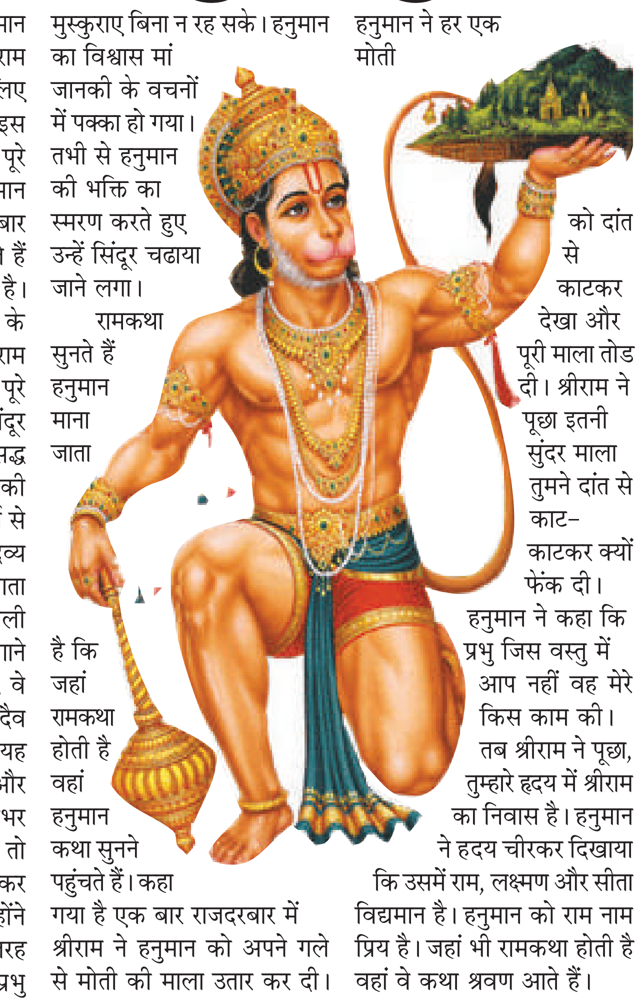

रामकथा सुनते हैं हनुमान माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है। हनुमान ने हदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

बुद्धि प्राप्त करने के कुछ आसान उपाय

जब हम किसी पर आस्था और विश्वास रखते हैं, तब पकृति भी उन मनोकामनाओं को पूरा करने में उसी राह पर चलने लगती है। ज्योतिष शास्त्र में ऐसी कई विधियां बताई गई हैं यदि आप इन पर पूरी आस्था के साथ विश्वास रखते हैं तो यह जरूर पूरी होती हैं। बुद्धि की इच्छा हम सभी की चाह होती है। विद्यार्थी देवी सरस्वती और भगवान गणेश से बुद्धि का वर मांगते हैं। और वो उन्हें देते हैं। लेकिन ज्योतिष में बुद्धि प्राप्त करने के कुछ आसान उपाय बताए गए हैं। जिन्हें पूरी श्रद्धा से आजमाकर आप भी बुद्धिमान बन सकते हैं प्रात: दैनिक कार्यों से निवृत होकर पूजा स्थान में जाएं और एक माला गायत्री मंत्र 'ऊं भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात' का रोज जप करें। पूजा स्थल में जाकर रामचरित मानस की इस पंक्ति को 108 बार जपें 'गुरु गृह गये पठन रघुराई, अल्पकाल विद्या सब आई'। गुरुवार के दिन देवी सरस्वती की मूर्ति या चित्र के सामने या फिर अपने अध्ययन कक्ष में रोज 'ऊं मां सरस्वती विद्या देवी नमो नम:' का स्मरण करें। गुरुवार के दिन गरीब बच्चे को पुस्तक, कॉपी, पैंसिल आदि दान करें। काली मिर्च, सोंठ, इलायची और चीनी मिलाकर पीसकर चूर्ण बनाएं और इसे घी में मिलाकर गोलियां बनाएं और प्रतिदिन दो गोली रात्रि को सोते समय दूध के साथ लें। स्मरण शक्ति के साथ एकाग्रता भी बढेगी।

राम नाम से ही दूर होते कष्ट

चैत्र की नवमी तिथि भगवान श्री राम के जन्म की तिथि है। 'नवमी तिथि मुधमास पुनीता/ शुक्ल पक्ष अभिजीत हरि प्रीता अर्थात नवमी तिथि को अभिजीत नक्षत्र में भगवान का अवतरण हुआ था। त्रेतायुग में भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतरित होकर राक्षसी प्रवृत्तियों का संहार किया था। अपने चरित्र और मर्यादा पालन के कारण श्री राम इस संसार के लिए अनुकरणीय हैं। उन्होंने ब्रहम होकर भी कभी नहीं कहा कि वे ब्रहम हैं। उन्होंने संसार के सामने आदर्श चरित्र का उदाहरण प्रस्तुत किया और इसलिए वे युगों का पथ प्रदर्शन कर रहे हैं।

श्रीराम की स्तुति हमारे अमंगल का हरण करने वाली और मंगल करने वाली है। श्री राम के नाम की महत्ता के विषय में शास्त्रों में एक कथा आती है कि एक बार भगवान शिव कैलाश पर्वत पर ध्यान मग्न बैठे थे। उन्हें इस तरह बैठा मां पार्वती ने पूछा- प्रभु, सारा संसार तो आपका ध्यान करता है फिर आप किसके ध्यान में बैठे हैं। तब शिव बोले- मैं राम का स्मरण कर रहा हूं, जिनका नाम ही परम सुखदायक है। वर्णन आता है कि उन्होंने मां पार्वती से कहा- 'श्री राम राम रामेति रमे रामे मनोरमै/ सहस्त्रनामा तत्तुल्यं राम नाम वराननै। अर्थात हे पार्वती श्रीराम को जपने से ही सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

अभिजीत नक्षत्र में प्रभु राम की अवतरण को सभी जगह उल्लास के साथ मनाया जाता है। विद्वान मानते हैं कि दोपहर 11.45 से 12 तक अभिजीत नक्षत्र रहता है और इसी समय रामनवमी पर प्रभु के प्राकट्य का उत्सव मनाना श्रेयस्कर है। श्रीराम के स्मरण मात्र से ही सभी तरह के क्लेश का नाश हो जाता है। राम रक्षा स्त्रोत का पाठ असहाय स्थिति में हमारी रक्षा करता है। यह सभी तरह के संकटों से हमें उबारता है।

सुखी जीवन का मूलमंत्र

जापान के सम्राट यामातो का एक राज्यमंत्री था। जिसका नाम था 'ओ-चो-सान'। उसका परिवार सौहार्द के लिए बडा प्रसिद्ध था। हालांकि उसके परिवार में लगभग एक हजार सदस्य थे, पर उनके बीच एकता का अटूट संबंध था। सभी सदस्य साथ-साथ रहते और साथ-साथ ही खान खाते थे। फिर उनमें द्वेष कलह की बात ही कहां ओ-चो-सान के परिवार के सौहार्द की बात यामातो के कानों तक पहुंची। सत्यता की जांच करने के लिए एक दिन वे स्वयं वृद्ध मंत्री के घर तक आ पहुंचें।

भारतीय संस्कृति में यह व्रत बन चुका है आदर्श नारीत्व का प्रतीक

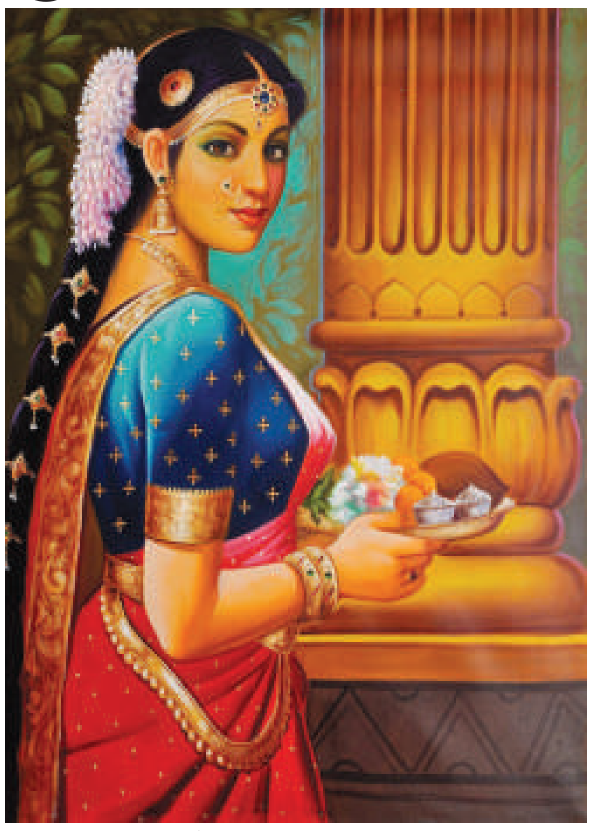

मूलत: यह व्रत सौभाग्यवती स्त्रियों का है, फिर भी सभी प्रकार की स्त्रियां (कुमारी, विवाहित, विधवा आदि) इस व्रत को करती हैं। इस व्रत को करने का विधान त्रयोदशी से पूर्णिमा या अमावस्या तक है। इस दिन वट (बड, बरगद) का पूजन होता है। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगल कामना से करती हैं। वट सावित्री व्रत सौभाग्य को देने वाला और संतान की प्राप्ति में सहायता देने वाला व्रत माना गया है।

भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। इस व्रत की तिथि को लेकर भिन्न मत हैं। स्कंद पुराण तथा भविष्योत्तर पुराण के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को यह व्रत करने का विधान है, वहीं निर्णयामृत आदि के अनुसार ज्येष्ठ मास की अमावस्या को व्रत करने की बात कही गई है।

व्रत का विधान

प्रात: काल स्नान आदि से निवृत होकर बांस की टोकरी में रेत भर कर ब्रह्माजी की मूर्ति की स्थापना करें। ब्रह्माजी के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें। इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान की मूर्तियों को स्थापना करके टोकरियों को वट वृक्ष के नीचे ले जाकर रखना चाहिए। ब्रहमाजी और सावित्री के पूजन के पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बरगद की जड में पानी देना चाहिए। पूजा के लिए जल, कलावा(रक्षासूत्र), रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप होने चाहिए। जल से वटवृक्ष को सींच कर उसके तने के चारों और कच्चा धागा लपेट कर तीन बार परिक्रमा करें। अब भीगे हुए बायना निकाल कर, नगद रुपए रख कर सासुजी के चरण स्पर्श करें। यदि सास दूर हो तो बायना वहां भेज देना चाहिए। पूजा के बाद गरीबों, भूखों और ब्रहमणों को दान दें।

इसीलिए कहते हैं तुलसी को विष्णु-प्रिया

कार्तिक शुक्ल की एकादशी को तुलसी पूजन का विधान है। इस वर्ष यह पर्व 3 नवंबर को है। तुलसी पूजन का पर्व पूरे उत्तर भारत में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। तुलसी को विष्णु-प्रिया के नाम से भी जाना जाता है। तुलसी का पौधा भारतीयों के लिए गंगा-यमुना के समान पवित्र है।

व्रत की कथा

प्राचीन काल में जालंधर नाम का दैत्य था। उसने सारे संसार में उत्पात मचा रखा था। दैत्य की वीरता का रहस्य था उसकी पत्नी वृंदा का पतिव्रत धर्म। कहा जाता है कि उसी के प्रभाव से वह विजेता बनता था। दैत्य के उत्पातों से परेशान होकर ऋर्षि-मुनि भगवान विष्णु के पास पहुंचे। भगवान विष्णु ने काफी सोच विचार कर वृंदा का पतिव्रत धर्म भंग करने का निश्चय किया। उन्होंने योगमाया द्वारा एक मृत शरीर वृंदा के घर के बाहर फिकवा दिया। माया का पर्दा होने से वृंदा को अपने पति का शव दिखाई दिया। अपने पति को मृत जानकर वह उस मृत शरीर पर गिरकर विलाप करने लगी। उसी समय एक साधु उसके पास आए और कहने लगे बेटी इतना विलाप मत करो। मैं इस मृत शरीर में जान डाल देता हूं। साधु ने मृत शरीर में जान डाल दी। भावों में बहकर वृंदा ने उस शरीर का आलिंगन कर लिया। बाद में वृंदा को पता चला कि यह तो भगवान का छल-कपट है जबकि उसका पति देवताओं से युद्ध कर रहा था और वृंदा का सतीत्व नष्ट होते ही वह देवताओं द्वारा मारा गया। इस बात का जब वृंदा को पता चला तो उसने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि, जिस प्रकार आपने छल से मुझे पति वियोग दिया है।

उसी तरह आपको भी स्त्री वियोग सहने के लिए मृत्युलोक में जन्म देना होगा। यह कहकर वृंदा अपने पति की अर्थी के साथ सती हो गई। विष्णु अब अपने छल पर बडे लज्जित हुए। माता पार्वती ने वृंदा की चिता-भस्म में आंवला, मालती व तुलसी के पौधे लगाए। भगवान विष्णु ने तुलसी को ही वृंदा का रूप समझा।

इस घटना के बाद त्रैतायुग में भगवान विष्णु ने भगवान राम के रूप में अवतार लिया और सीता के वियोग में कुछ दिनों तक रहना पडा।

परिस्थितियां बदलती हैं हमेशा

एक बार भगवान बुद्ध कहीं जा रहे थे। वह पैदल यात्रा कर रहे थे, इस कारण थक कर एक पेड के नीचे बैठ गए। उनके साथ उनके अन्य शिष्यों के साथ आनंद भी मौजूद थे। भगवान बुद्ध ने कहा, 'आनंद यहां नजदीक एक झरना है, वहां से जल ले आओ।' आनंद झरने के पास पहुंचा, लेकिन वहां गंदा पानी बह रहा था। उन्होंने पानी भरना ठीक नहीं समझा। वह थोडा देर रुके और पानी साफहो गया। उन्होंने साफपानी कमंडल में भरा। और बुद्ध के पास चल दिए। उन्होंने सारा घटनाक्रम तथागत को सुनाया। तब बुद्ध ने कहा, 'आनंद प्रकृति को देखो, परिस्थिति को नहीं। परिस्थिति बदल जाती है, लेकिन प्रकृति स्थिर रहती है। जैसा कि तुमने देखा किस तरह झरने का गंदा जल थोडी देर बाद स्वच्छ हो गया।'

संक्षेप मेंमनुष्य की भी यही स्थिति है। झरने के पानी की तरह मनुष्य भी बदलता है। मनुष्य हमेशा अपने स्वभाव के अनुरूप वहीं नहीं रहता बल्कि वह बदलता है। यही सनातन नियम है।

जैन धर्म की व्यापकता और दर्शन का श्रेय भगवान महावीर को

लगभग 2500 वर्ष पहले अहिंसा और सहिष्णुता की शिक्षा देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांत और आदर्श वर्तमान संदर्भों में और सभी के लिए प्रासंगिक हैं। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय आदि अनेक उपदेशों को अपनाकर आज भी रामराज्य की स्थापना की जा सकती है। वर्धमान महावीर का जन्मदिन महावीर जयंती के रुप में मनाया जाता है। वर्धमान महावीर जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान आदिनाथ की परंपरा में चौबीस वें तीर्थंकर हुए थे और उनका जीवन काल 511 से 527 ईस्वी ईसा पूर्व तक माना जाता है। उनका जन्म बिहार के कुंडलपुर में हुआ था। महावीर के पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी त्रिसला था। उनका जन्म हिन्दू कैलेंडर के चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को हुआ था। पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया था। भगवान महावीर कठोर तप से अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामन माना गया और इस वजह से उन्हें महावीर कहा गया तथा उनके अनुयायी जैन कहलाए।

जैन धर्म ग्रंथों में उल्लेख है कि महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थायी आधार दिया। उन्होंने श्रद्धा एवं विश्वास के जरिए जैन धर्म की पुन: प्रतिष्ठा की । इसीलिए

आधुनिक काल में जैन धर्म की व्यापकता और उसके दर्शन का श्रेय महावीर स्वामी को दिया जाता है। महावीर स्वामी को अर्हत, जिन, निग्रर्थ, अतिवीर आदि नामों से भी जाना जाता है। उन्होंने लोगों को जिओ और जीने दो के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने घोर तपस्या से अपनी इंद्रियों पर विजय हासिल की ली थी। इस पर्व को तप से जीवन पर विजय प्राप्त करने का पर्व भी कहा जाता है। भगवान महावीर के समय में समाज व धर्म में अनेक विषमताएं थी। ऐसे में उन्होंने आडंबरों से घिरे धर्म और अत्याचार से पीडित समाज को नवजीवन दिया। उन्होंने कुरीतियों एवं अंधविश्वासों को दूर करने के साथ धर्म की वास्तविकता को स्थापित कर सत्य एवं अहिंसा पर बल दिया। भगवान महावीर के सिद्धांतों में अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह, आत्म स्वातंर्त्य शामिल है।

उपदेशों से समाज कल्याण

महावीर जी ने अपने उपदेशों द्वारा समाज का कल्याण किया। उनकी शिक्षाओं में मुख्य बातें थी कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो। इसके अतिरिक्त उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति, तथा छ: आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया। जो जैन धर्म के प्रमुख आधार हुए उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।

वैवाहिक सुख शांति के लिए 6 वास्तु टिप्स

अगर आपकी वैवाहिक जिंदगी अच्छी तरह से नहीं चल रही है तो इसका सीधा प्रभाव आपके प्रोफेशन पर आता है। वैवाहिक जीवन में सुख शांति के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं। यह उपाय आपने शयन कक्ष और आपके बेड पर आजमा सकते हैं।

हमेशा दक्षिण-पश्चिम या दक्षिण बेडरूम में ही शयन करें। शयन कक्ष प्रकाश और आंखों को प्रिय लगने वाले रंगों से पेंट किया हो। बिस्तर पर एक गदे का प्रयोग करें। लकडी पलंग वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ माना गया है। शयन का पलंग चौकोर या आयताकार होना चाहिए। आप बेडरूम में ताजा फूल रख सकते हैं।

2017-18 को छोड 2080 तक 15 को ही संक्रांति

उज्जैन के पंचांग विशेषज्ञों के अनुसार मकर संक्रांति करीब 100 साल बाद इस बार 15 जनवरी को मनाई जा रही है। वजह यह है कि पृथ्वी हर साल 50 विकला (यानी 20 मिनट) पीछे रह जाती है। 65 से 100 साल के बीच यह अंतर 24 घंटे का हो जाता है। यही वजह है कि अब 2080 तक संक्रांति 15 जनवरी को ही मनाई जाएगी।

लीप ईयर के कारण दो साल क्रम बदलेगा और 2017-18 को संक्रांति फिर 14 जनवरी को होगी, क्योंकि साल के दिन घटने से सूर्य पुरानी स्थिति में आ जाएगा। दिन बडे क्यों गणना के अनुसार संक्रांति के दिन से सूर्य उत्तरायण होते हैं, इस कारण दिन बडे होने लगते हैं। हालांकि वैज्ञानिक तर्क है कि 21 दिसंबर से दिन बडा और रात छोटी होने लगती है।

पौराणिक मान्यता महाभारत युद्ध में घायल भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण होने के बाद शरीर त्यागा था। मान्यता है कि उत्तरायण में देह त्यागने वाली आत्मा कुछ काल के लिए देवलोक चली जाती है या उसे जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है।

गंगा का अवतरण संक्रांति के दिन ही गंगा नदी का अवतरण धरती पर हुआ। इसलिए इस दिन को पावन माना जाता है। इसका संबंध ऋतु परिवर्तन से भी है। संक्रांति से तापमान बढने लगता है। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक तिल-गुड में कैल्शियम और आयरन होता है जो पाचन तंत्र को मजबूत करने के साथ स्टेमिना भी बढाता है। धार्मिक महत्व तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के पसीने से मानी जाती है, जबकि गुड खाने से शनि प्रसन्न होते हैं। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर का स्वामी शनि है। तिल-गुड खाने से सूर्य नारायण व शनि की खुशी प्राप्त होती है।

संक्रांति के मुहूर्त

विशेष पुण्यकाल: सूर्योदय (7.10) से सुबह 11.27 बजे तक।

सामान्य पुण्यकाल: सूर्योदय (7.10) से सूर्यास्त (शाम 6.00) तक।

इस सीजन के रग्ज...

अपने घर के लिए इस सीजन में रग्ज खरीदने से पूर्व उसके फाइबर, रंगों के बारे में अच्छी तरह जांच-परख लें। खासकर बरसात के मौसम में चटख रंग न खरीदें। अपने कमरे के फर्श को रग्ज से सजाने से पहले कमरे का साइज और डाइमेंशन पर गौर करें कि कहां-कहां रग्ज थोड़ा और कहां इसका फैलाव ज्यादा आएगा। जैसे दरवाजों के पास रग्ज को थोड़ा काटना पड़ सकता है। अगर आप अपने कमरे को रग्ज से कवर करना चाहते हैं तो यह आपके कमरे की दीवार से दो फीट छोटा होना चाहिए। कई वाल टू वाल रग्ज लगाना भी पसंद करते हैं। रग्ज सुंदर दिखे यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसकी बुनावट किस तरह की गई है? इसकी फिनिशिंग कैसी है? सवाल यह नहीं कि जो भी रग्ज आप खरीदने जा रहे हैं, वह कितना महंगा है? और वह सबसे बढ़िया है कि नहीं? सवाल यह है कि रग्ज वही बढ़िया है, जो आपके घर में सजता है। प्लांट बेस्ड फाइबर जैसे जूट, हेम्प आदि ऐसे रग्ज हैं जो किसी भी स्पेस में आसानी से फिट हो सकते हैं। ये अलग-अलग स्टाइल में मौजूद हैं और आपके घर के डेकोर के साथ आसानी से मैच कर सकते हैं। नेचुरल फेब्रिक सदाबहार हैं। इन्हें पारम्परिक, आधुनिक या फिर ग्रामीण परिवेश वाले घर और बीच हाऊस में सजाया जा सकता है। इनका जमीनी टेक्सचर काफी आकर्षक है। ये रग्ज सुनहरी तथा सिल्की शाइन में भी होते हैं। लोककला आधारित फेब्रिक तथा फ्लोरल आर्ट के साथ-साथ ट्रॉपिकल लैंडस्केप हमें इन गर्मियों में भी कूल-कूल अहसास देती है।

मच्छरों को भगाने वाला टीवी...

टीवी घर में मनोरंजन का सबसे अच्छा साधन है और अगर यह टीवी आपके मनोरंजन के साथ-साथ मच्छरों की समस्या से भी निजात दी लाए तो फिर क्या कहने। जी हां, अब आपको मच्छर भागने के लिए किसी मॉस्किटो कोल नहीं बस टीवी ऑन कीजिए और मच्छर दूर भाग जाएंगे। एलजी ने एक ऐसा ही टीवी लॉन्च किया है जो मनोरंजन के साथ-साथ मच्छर दूर करने का भी काम करता है। मॉस्किटो अवे टीवीकी शुरुआती कीमत भारतीय बाजार में 26,900 रुपए तय की है जो 47,500 रुपए तक है। एलजी मॉस्किटो अवे टीवी भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखकर विकसित गया है। इसमें अल्ट्रा सोनिक डिवाइस का इस्तेमाल किया गया है जो एक बार एक्टिवेट होने के बाद मच्छरों को दूर भागाने का काम करती है। इसमें साउंड वेब्ज तकनीक के जरिए यह बिना किसी हानिकारक रेडिएशन के मच्छरों को दूर करती है। कंपनी का दावा है कि यह तकनीक वैश्विक संगठनों के नियमों के अनुरूप है। इसकी जांच भारत के अंतरराष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी एवं विषज्ञान संस्थान में भी की गई है। इस मच्छर भगाने वाली तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए टीवी को हमेशा चालू रखने की भी जरूरत नहीं है।

चेहरे और शरीर का ध्यान रखें...

आमतौर पर लड़के अपने चेहरे और शरीर के रखरखाव को लेकर ज्यादा सतर्क नहीं होते हैं, लेकिन आज के समय में लोगों का चेहरा भी उन्हें सफलता दिलाने का काम करता है। ऐसे में युवाओं को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। चेहरे पर साबुन लगाने से नमी चली जाती है। फेशवॉश का इस्तेमाल करें। अगर आपके चेहरे पर मुंहासे है तो उनका उपचार करें। उन्हें फोड़ें नहीं और न ही उन पर साबुन लगाएं। कोई एंटीसेप्टिक क्रीम लगा सकते हैं। क्लीन शेव लड़के हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। लेकिन कई लड़कों को दाढ़ी रखना पसंद होता है चाहे बाल हो या नहीं। ऐसे में चेहरे पर कुछ जगह दाढ़ी और कुछ जगह खाली हिस्सा, बिल्कुल भी अच्छा नहीं दिखता है। दाढ़ी के साथ एक्सपेरिमेंट न करें और हमेशा क्लीन शेव बने रहें। साथ ही जब शेव करें तो गर्दन के बाल भी ट्रिम कर लें। ये शर्ट पहनने पर बहुत भद्दे दिखते है। युवाओं की नाक के बाल बहुत ज्यादा बढ़ते हैं। ऐसे में नाक के बाल काट लें। इससे सामने वाले को आप से घिन नहीं आएगी। इसके अलावा कई युवाओं को पीठ में छोटे-छोटे पस भरे दाने होते हैं, इनका उपचार करें। सही साबुन का इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ने पर डर्मेटोलॉजिस्ट से सम्पर्क करें।

तेजी से कैसे बढ़ाएं दाढ़ी...?

कुछ ऐसे तरीके हैं, जिसे अपनाकर आप दाढ़ी की वृद्धि दर को थोड़ा बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको इसकी ठीक ढंग से देखभाल करनी होगी। त्वचा के लिए तैयार कोई अच्छा एक्सफोलिएट मास्क भी ट्राइ करें। इससे दाढ़ी के बालों को उगने में मदद मिलेगी। धैर्य रखें और अपनी दाढ़ी को बढ़ने और विकसित होने दें। विकसित हेने के बाद खाली जगह अपने आप ही भरने लगेंगी। प्रोटीन शरीर को ऐसे पौष्टिक तत्व उपलब्ध कराता है जो ज्यादा बालों को उगाता है और सोना इसलिए जरूरी है क्योंकि इसी समय पौष्टिक तत्व अपना काम करता है। कैस्टर के तेल को एक बेहतरीन कंडीशनिंग ट्रीटमेंट माना जाता है, जो बालों को बढ़ाने के साथ-साथ आपकी दाढ़ी को सही दिशा में आगे बढ़ाएगा। विटामिन बी1, बी6 और बी12 भी बालों को जल्दी बढ़ाने में मदद करता है।

हिमाचल प्रदेश के उत्तर पूर्व में स्थित किन्नौर जिले को हाल ही में देशभर के प्रथम वायु-प्रदूषण मुक्त जिले का खिताब मिला है। किन्नौर को प्रकृति ने दिल खोलकर सुंदरता नवाजी है। वैसे किन्नौर की जीवनशैली अब रॉयल हो चली है। जिले के हर घर में कम से कम एक गाड़ी जरूर है और किन्नौर के सभी गांवों में अब 80 प्रतिशत तक घर पक्के बन चुके हैं। पहले ये घर मिट्टी, पत्थर व लकड़ी के हुआ करते थे। वायु-प्रदूषण से मुक्त होने के साथ ही किन्नौर कई मामलों में खास है। किन्नौर में और क्या रहस्य हैं यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

रुपसियों का देश...

हिमाचल प्रदेश के उत्तर पूर्व में स्थित किन्नौर जिले को हाल ही में देशभर के प्रथम वायु-प्रदूषण मुक्त जिले का खिताब मिला है। किन्नौर की हवा को लेकर रिसर्च में पाया गया कि हिमाचल के इस खूबसूरत जनजातीय जिला में 2.5 माइक्रोन के पीएम यानी पार्टीकुलेट मैटर का स्तर सालाना 3.7 जमा माइनस वन प्रति क्यूबिक मीटर पाया गया।

यह नेशनल एयर क्वालिटी टारगेट से दस फीसदी कम है। दिल्ली की भयावह स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां यह स्तर 148 जमा माइनस 51 प्रति क्यूबिक मीटर है। यदि हवा साफ हो और तय मानकों के अनुसार हो तो भारत में हर साल 45 हजार लोग दूषित हवा के कारण होने वाली विभिन्न बीमारियों से मरने से बच सकते हैं। दूषित शहरों में लोगों की जीवनी शक्ति भी कम हो जाती है। लेकिन किन्नौर का जीवन खुली किताब है और अनेक रहस्यों को समेटे भी। यहां के रीति-रिवाज आपको चौकाएंगे भी, लुभाएंगे भी। कुदरत भी यहां अपने हर रूप में मौजूद है, सुरम्य भी और खतरनाक भी।

आसमां से ऊंचे हिमशिखर, बर्फीले झरने, गुनगुनाती बलखाती नदियां-ये नजारे नयनाभिराम हैं, लेकिन भारी बर्फबारी के बाद जब यह इलाका कुछ माह के लिए शेष दुनिया से कट-छट जाता है, तब कुदरत के कठोर थपेड़ों का एहसास करवाता है किन्नौर। हमारे पुरातन ग्रंथों में किन्नरी शब्द का संबोधन रूपसी के लिए किया गया है। शायद उसी किन्नर शब्द से ही यह किन्नौर बसा है। यानी रुपसियों का देश लेकिन हालिया वर्षों में किन्नर शब्द का प्रयोग देशभर में ट्रांसजेंडर के लिए किया जाने लगा है जिससे वहां के लोग खासे दुखी हैं। इसे लेकर समय-समय पर उन्होंने सरकार को ज्ञापन भी सौंपे हैं। कुदरत की तरह ही हिमाचल के इस कबाइली इलाके की महिलाओं का सौंदर्य भी नैसर्गिक है यानी ऐसी खूबसूरती जो मेकअप की लीपापोती की मोहताज नहीं। यहां की युवतियविशुद्ध देसी, लेकिन लावण्य से भरपूर ां मेकअप से कोसों दूर हैं।

कुदरत ने जो हुस्न बख्शा है, उसकी चमक बरकरार रखने के लिए उन्हें किसी तरह की लीपापोती की जरुरत नहीं। कच्चे अखरोट की दातुन से चिट्टे-चिट्टे दांत और उसी से होंठों की लाली का देसी मेकअप कोई इनसे सीखे। इन पर अभी तक जमाने का रंग कम ही चढ़ पाया है। हालांकि कई इलाकों में किन्नौरी परिधानों के इतर जीन्स व सलवारें पहने किशोरियां दिख जाती हैं लेकिन अधिकांश पारंपरिक वेशभूषा में ही नजर आती हैं।

विज्ञान की मुहर लगी

अपनी स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के लिए दशकों से प्रसिद्ध रहा है किन्नौर लेकिन अब देश का पहला वायु प्रदूषणमुक्त जला घोषित होने के बाद वैज्ञानिक तौर पर भी यहां की जलवायु पर मोहर लग गई है। किन्नौर प्राकृतिक नजारों से न केवल लबरेज है, बल्कि यहां की मनोरम घाटियां और चट्टानें काटकर बनाई गई सड़कें यहां घूमने आने वालों को रोमांच का अनुभव करवाती हैं। यहां के महाभारत काल के अधिकांश देवालय विदेशी पर्यटकों समेत सभी को मंत्रमुग्ध करते हैं। शीत मरुस्थल के रूप में विख्यात किन्नौर अब साल भर लोगों की पहुंच के भीतर रहता है। हालांकि गर्मियों में यहां आना ज्यादा फायदेमंद है, क्योंकि सर्दियों में यहां अधिकांश स्थानों पर तापमान जमाव बिंदू से नीचे रहता है। इसके अलावा बर्फबारी भी अक्सर सर्दियों में किन्नौर का रास्ता रोक देती है। एक ओर यह तिब्बत से सटा है, वहीं दूसरी ओर इसकी सीमाएं लाहौल स्पिति और शिमला को भी छूती हैं। पर्यटन की बयार किन्नौर तक पहुंच चुकी है। सांगला और रिकांगपिओ वैली में अब विश्वस्तरीय होटल बन चुके हैं, जो अक्सर विदेशी सैलानियों से भरे रहते हैं। सांगला घाटी में पिछले कुछ सालों के दौरान होम स्टे ने भी काफी जोर पकड़ा है और लोगों ने अपने घरों को होम स्टे के तहत होटलों में तबदील कर दिया है।

बहु पति विवाह

किन्नौर क्षेत्र की लड़की का विवाह एक ही परिवार के सभी सगे भाइयों से एक साथ किया जाता है। यहां के निवासी इस प्रथा का संबंध पांडवों के अज्ञातवास से जोड़ते हैं। घर की एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार के सभी भाई एक ही युवती से परंपरा के अनुसार शादी करते हैं और विवाहित जीवन जीते हैं। अगर किसी महिला के कई पतियों में से किसी एक की मौत भी हो जाए तो भी महिला को दु:ख नहीं मनाने दिया जाता है। किन्नौर में विवाह की परंपरा भी अजीब ढंग से निभाई जाती है। जब किसी युवती की शादी होती है तो परिवार वाले उस परिवार के लड़कों के बारे में पूरी जानकारी आदि ले लेते हैं। विवाह में सभी भाई दूल्हे के रूप में सम्मलित होते हैं। शादी के बाद निभाई जाने वाली कई परंपराएं और बाद का विवाहित जीवन एक टोपी पर निर्भर करता है। जैसे किसी परिवार में चार भाई है। सभी की विवाह एक ही महिला से हुआ है। अगर कोई भाई अपनी पत्नी के साथ है तो वह कमरे दरबाजे पर अपनी टोपी रख देता है। भाइयों में मान मर्यादा इतनी रहती है कि जब तक टोपी दरवाजे पर रखी है कोई दूसरा भाई उस स्थान पर नहीं जा सकता। जनजातीय जिला किन्नौर में भोटी भाषा प्रचलित है। बोलचाल की भोट भाषा में किन्नौर को खुनु, बुशैहरी और स्थानीय लोग कन्नावर या कनौर कहते हैं। स्थानीय भाषा में लोग अपने को कनौरस या किन्नौरस कहते हैं। तिब्बती लोग किन्नौरों को खुनु-पा कहते हैं और किन्नौरे अपनी भाषा को कनौवरिंगकत कहते हैं। किन्नौर में एक ही किन्नौरी भाषा अथवा कनौवरिंगकत ही नहीं है, बल्कि हर गांव में अलग-अलग बोलियां बोली जाती हैं। फिर भी इस अनेकता को एकता के रूप में बांधने वाली एक किन्नौरी भाषा को पूरे किन्नौर में प्रयोग कर सकते हैं।

महिला होती है मुखिया

यहां पुरुष नहीं बल्कि महिलाएं घर की मुखिया होती हैं। इनका काम होता है पति व संतानों की सही ढंग से देखभाल करना। परिवार की सबसे बड़ी स्त्री को गोयने कहा जाता है। उसके सबसे बडे पति को गोर्तेस, कहते हैं यानी घर का स्वामी। यहां की एक और बात खास होती है वह यह कि यहां खाने के साथ शराब अनिवार्य होती है। यदि पुरुषों का मन दुखी होता है तो यह शराब और तम्बाकू का सेवन करते हैं वहीं जब महिलाओं को किसी बात को लेकर दु:ख होता है तो वह गीत गाती हैं। सर्दी में बर्फबारी की वजह से यहां की महिलाएं और पुरुष घर में ही रहते हैं। बर्फबारी की वजह से कोई काम नहीं रहता है। इन दिनों इन लोगों के पास बस मौज मस्ती में दिन व रात गुजारने होते हैं। महिलाएं सारा दिन पुरुषों के साथ गप्पें मारती हैं। किन्नौर जिले का मुख्यालय रिकांग पिओ है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और हरे-भरे पेड़ों से घिरा यह क्षेत्र ऊपरी, मध्य और निचले किन्नौर के भागों में बंटा हुआ है। यहां पहुंचने का मार्ग दुर्गम होने के कारण यह क्षेत्र बहुत लंबे समय तक पर्यटकों से अछूता रहा है, लेकिन अब साहसिक और रोमांचप्रिय पर्यटक यहां बडी संख्या में आने लगे हैं। प्राकृतिक दृश्यावली से भरपूर इस जिले की सीमा तिब्बत से सटी हुई है, जो इसे सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाती है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से लगभग 250 किमी. दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 22 पर यह नगर स्थित है। पहाड़ों और जंगलों के बीच कलकल ध्वनि से बहती सतलुज और स्पीति नदियों का संगीत यहां की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। स्पीति नदी आगे चलकर खाब में सतलुज से मिल जाती है।

आदर-सत्कार की भावना

यहां के प्राकृतिक सौंदर्य की तरह यहां के लोग भी सुंदर हैं। किन्नर बालाएं फलों से सुसज्जित अपनी परंपरागत टोपियां पहनती हैं। टोपियों के दोनों ओर पीपल पत्र नामक चांदी का एक गहना बना होता है और चांदी के ही एक नक्काशीदार कड़े पर कसा रहता है। अपने शरीर को ये ऊनी कम्बल से साडी की भांति लपेटे रखती हैं। इस ऊनी कम्बल को स्थानीय भाषा में 'दोहडू' कहा जाता है। किन्नरियों में मेहमानों के आदर-सत्कार की भावना भी बहुत होती है। मेहमानों का स्वागत वे अपने हाथों से शराब पेश करके करती हैं। ऐसा करते समय उन्हें कोई संकोच नहीं होता, क्योंकि शराब को किन्नर समाज में महत्व प्राप्त है, लेकिन ताज्जुब की बात यह भी है कि जहां किन्नरियां शराब को बनाने से लेकर पेश करने तक का कार्य अपने हाथों से करती हैं, वहीं वे स्वयं शराब को मुंह तक नहीं लगातीं। शाल बुनने में तो उनका कोई सानी नहीं है। उनकी बनाई शालों में प्रकृति के विभिन्न रूप परिलक्षित होते हैं। सर्दियों में जब भारी बर्फबारी के कारण किन्नौर का सम्पर्क शेष दुनिया से कट जाता है तो किन्नारियां ऊनी कपडे, कालीन और अन्य चीजें बुनने का काम करती हैं। उनके बनाए ऊनी वस्त्रों में डोहरियां, पट्टू, गुदमा आदि उल्लेखनीय हैं।

जूठी घास नहीं खाता याक

प्राकृतिक नजारों से भरपूर किन्नौर के लोग बड़ी संख्या में भेड़-बकरी पालन का काम करते हैं। यहां तक कि भारतीय प्रशासनिक सेवा तक में कार्यरत अधिकारियों के परिवारों में भी अभी तक भेड़-बकरी पालन की परंपरा जारी है। कन्नौर क्षेत्र में कहीं-कहीं याक पाया जाता है। यह जानवर पालतू व जंगली दोनों तरह का होता है। इसे बहुत पवित्र माना जाता है। इसकी विशेषता यह है कि अन्य अपवित्र पदार्थों की तो बात ही छोड़िए, दूसरे जानवरों द्वारा चरी हुई घास को भी यह जूठा मान कर छोड़ देता है और नई उगी घास ही खाता है। याक में सूंघने की विलक्षण शक्ति ेाती है। बर्फ के नीचे छिपे गढ्डों का इसे पता चल जाता है और यह उनसे बच कर ठीक मार्ग बनाता हुआ आगे बढ़ता चलता है। हिमाच्छादित क्षेत्रों में कई जगह गहरे गड्ढ़ों में गिरने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं। याक की सूंघने की क्षमता का लाभ मनुष्य को भी मिलता है। इसे नमक बहुत पसंद है। किसी पत्थर पर नमक लगाकर इसके आगे रख दिया जाए तो याक उसे कई घंटों तक चाटता रहता है। वैसे तो यह सीधा-सादा जानवर है, परंतु किसी कारण इसे क्रोध आ जाए तो खैर नहीं। प्राय: किन्नौर के याक का रंग सफेद होता है। दूसरे रंग का याक सुगमता से दिखाई नहीं देता। किन्नौर की वादियों का आकर्षण देश-विदेश से यहां आए सैलानियों के हृदय में ऐसा समा जाता है कि वे यहां की नैसर्गिक सुंदरता तथा धार्मिक आस्था वाले भोले-भाले लोगों से हुई अपनी मुलाकात को लंबे समय तक अपने दिल में संजोए रहते हैं। यही नहीं, हिमालय की रचना के गूढ़ रहस्यों को जानने की चेष्टा करते हुए जिज्ञासु पर्यटक बार-बार यहां आने की इच्छा मन में संजोए रहते हैं।

अंधेरे में इस्तेमाल न करें स्मार्टफोन...

आप भी उन लोगों में जरूर शामिल होंगे जो रात को सोने से पहले कमरे की लाइट बुझाकर अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते होंगे। अगर आप अभी तक ऐसा करते आएं हैं तो अब आपको संभल जाने की जरुरत है। बता दें कि लगातार ऐसा करने के चलते कई लोगों में अंधेपन के लक्षण देखें गए हैं और दो महिलाएं तो पूरी तरह आंखों की रौशनी गंवा बैठी हैं।

कौन हैं महिलाएं

न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक एक महिला की उम्र 22 साल जबकि दूसरी की 40 साल है।

अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से शुरुआत में इनमें अंधेपन के लक्षण देखे गए। डॉक्टर्स के मना करने के बावजूद इन्होंने सावधानी नहीं बरती जिसके चलते अब ये पूरी तरह आंखों की रौशनी गंवा चुकीं हैं। इस बीमारी का नाम ट्रांजिएंट स्मार्टफोन ब्लाइंडनेस बताया जा रहा है।

एक आंख का न करें इस्तेमाल

रिपोर्ट के मुताबिक अंधेरे में फोन इस्तेमाल करते हुए आंख स्क्रीन की रोशनी के हिसाब से काम कर रही होती है लेकिन जैसे ही आप दूसरी आंख का इस्तेमाल करते हैं दोनों तारतम्य नहीं बैठा पाते और ब्लाइंडनेस का अनुभव होता है। इसलिए इससे बचना बेहद जरूरी है।

बाथरूम में न ले जाएं फोन

आजकल स्मार्टफोन का हर जगह हर समय इस्तेमाल करना लोगों की आदत हो गई है, लेकिन अगर आप भी अपना स्मार्टफोन बाथरूम में लेकर जाते है तो संभल जाएं क्योंकि इसका बाथरूम में इस्तेमाल खतरनाक हो सकता है। बाथरूम में फोन को लेकर जाने से उसके गिरने या स्क्रीन के डैमेज होने का खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि गीले हाथों से स्मार्टफोन का प्रयोग करने से टचस्क्रीन खराब होती है। बाथरूम में स्मार्टफोन का बार-बार इस्तेमाल करने से सिम कार्ड में भी नमी आ सकती है। बाथरूम में नमी के कारण स्मार्टफोन के सर्किट्स पर असर पड़ सकता है क्योंकि भाप या पानी की एक बूंद भी इसके लिए खतरनाक साबित हो सकती है। बाथरूम में साबुन, पानी के साथ आप खुद को साफ कर लेते हैं लेकिन स्मार्टफोन को नहीं कर पाते नतीजतन 10 में से 9 फोंस में बीमारी फैलाने वाले कीटाणु रहते हैं। बाथरूम के बड़े शीशे के सामने बैठकर स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से वाई-फाई सिग्नल ब्रेक होता है क्योंकि बड़े शीशे वाई-फाई सिग्नल को रिफ्लेक्ट करते है और उसके कारण सही सिग्नल आपके फोन तक नहीं पहुंच पाते। प्राप्त रिसर्च के अनुसार, यूके में प्रत्येक महीने 1.5 लाख स्मार्टफोन फ्लश में गिर जाते है। एक स्टडी के अनुसार बाथरूम में फोन का ज्यादा इस्तेमाल व्यक्ति को लंबे समय तक वही रहने की आदत डाल देता है।

क्या हैं लक्षण

शुरुआत में इन महिलाओं को कुछ वक्त के लिए दिखाई देना बंद हो जाता था। महिलाओं के कई टेस्ट किए गए लेकिन ऐसा क्यों हो रहा है इसका पता नहीं चल पाया। बाद में इन महिलाओं से जब पूछा गया कि ऐसा अक्सर कब होता है तो उन्होंने बताया कि रात में जब वे लेटकर स्मार्टफोन इस्तेमाल कर रहीं होती हैं तब ऐसा अक्सर होता है। तो अगर आपको भी टेम्परेरी ब्लाइंडनेस का अनुभव हो रहा है तो ये संभल जाने का वक्त है।

सर्दी-जुकाम या बुखार में बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक्स लेने की आदत सेहत के लिए कई दिक्कतें पैदा कर सकती है। ब्रिटेन में हुए एक शोध के अनुसार बार-बार एंटीबायोटिक्स लेने से पेट में मौजूद खराब बैक्टीरिया के साथ अच्छे बैक्टीरिया भी मर जाते हैं। जिससे बैक्टीरियल सिस्टम बिगड़ जाता है। ऐसे में पैंक्रियाज की कार्य प्रणाली बिगड़ने के कारण टाइप-टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है।

एंटीबायोटिक लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें

बार-बार एंटीबायोटिक्स के इस्तेमाल से शरीर में इनके प्रति रेसिस्टेंस बढ़ने लगता है। जिस वजह से कुछ समय बाद मौसमी बीमारियों में ली जाने वाली एंटीबायोटिक्स दवाएं न के बराबर असर करती हैं। ऐसे में मरीज हाई डोज वाली एंटीबायोटिक्स का आदी होने लगता है जो गंभीर रोगों को जन्म देती हैं।

ये हैं साइड इफेक्ट्स

इन दवाओं के लिए नियमित डोज और कोर्स होता है। सही तरीके से एंटीबायोटिक्स न लेने पर साइड इफेक्ट हो सकता है। इसमें स्टेफन जॉनसन सिंड्रोम बेहद आम है। इस सिंड्रोम में मुंह में छाले और चेहरे व छाती पर दाने निकल आते हैं। यह जानलेवा भी हो सकता है।

वायरल में असरदार नहीं

एंटीबायोटिक्स वायरल फीवर में अधिकतर मरीज बिना किसी डॉक्टरी सलाह के एंटीबायोटिक्स ले लेते हैं। जो असर नहीं दिखाती है। एंटीबायोटिक्स से बैक्टीरिया मरते हैं जबकि वायरल फीवर वायरस के कारण होता है। ऐसे में एंटीबायोटिक्स खाने से शरीर को नुकसान होता है।

5-7 दिन में ठीक होता है वायरल

वायरल फीवर, सर्दी-जुखाम होने पर एक निश्चित समय के बाद ही ठीक होता है। इसमें 5-7 दिन लगते हैं। इसमें एंटीबायोटिक्स दवाएं नहीं लेनी चाहिए। केवल फीवर या सर्दी की दवा लें। निर्धारित समय में अपने से ठीक हो जाएगा। डायरिया-दस्त में या बाहर खाना खाने के बाद भी एंटीबायोटिक्स न खाएं। इसे लेने से पहले डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

राम नाम की लूट है...

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी के संदर्भ में अब यह अहम सवाल है कि ट्रस्ट को भंग क्यों नहीं किया गया? ट्रस्ट के सदस्यों और उनके पालतू चंपुओं पर सिर्फ चढ़ावे की चोरी-डकैती के ही आरोप नहीं हैं, बल्कि भगवान राम को पहनाए गए, हीरे-जवाहरात के हार, चांदी की चरण-पादुका, अन्य गहने-आभूषण गायब करने के भी संवेदनशील आरोप हैं। फिर आरोपित राम मंदिर के ट्रस्ट में क्यों हैं? ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा पर राम मंदिर में ही इंजीनियर रहे दीनानाथ वर्मा के भ्रष्ट आरोप हैं कि वह निर्माण-कार्यों में 40 फीसदी कमीशन मांगते थे। फर्जी बिल बना कर निर्माण-कार्यों में मोटा घोटाला किया गया है। हम इन आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन कीचड़ तो उछला है! सबसे अधिक आपत्तिजनक और अवैध यह माना जा रहा है कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'नजूल की जमीन' कैसे और क्यों खरीदी? एक उदाहरण सामने आया है कि 2.92 करोड़ रुपए की नजूल-भूमि 23-24 करोड़ रुपए में क्यों खरीदी गई? नजूल की जमीन सरकारी संपत्ति होती है, जो राज्य सरकार को सौंपी जाती है। यह जमीन लीज, पट्टे पर तो दी जा सकती है, लेकिन इसे बेचा-खरीदा नहीं जा सकता।

ट्रस्ट के सदस्यों और उनके पालतू चंपुओं पर सिर्फ चढ़ावे की चोरी-डकैती के ही आरोप नहीं हैं, बल्कि भगवान राम को पहनाए गए, हीरे-जवाहरात के हार, चांदी की चरण-पादुका, अन्य गहने-आभूषण गायब करने के भी संवेदनशील आरोप हैं। फिर आरोपित राम मंदिर के ट्रस्ट में क्यों हैं? ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा पर राम मंदिर में ही इंजीनियर रहे दीनानाथ वर्मा के भ्रष्ट आरोप हैं कि वह निर्माण-कार्यों में 40 फीसदी कमीशन मांगते थे। फर्जी बिल बना कर निर्माण-कार्यों में मोटा घोटाला किया गया है। हम इन आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन कीचड़ तो उछला है! सबसे अधिक आपत्तिजनक और अवैध यह माना जा रहा है कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'नजूल की जमीन' कैसे और क्यों खरीदी? एक उदाहरण सामने आया है कि 2.92 करोड़ रुपए की नजूल-भूमि 23-24 करोड़ रुपए में क्यों खरीदी गई? नजूल की जमीन सरकारी संपत्ति होती है, जो राज्य सरकार को सौंपी जाती है। यह जमीन लीज, पट्टे पर तो दी जा सकती है, लेकिन इसे बेचा-खरीदा नहीं जा सकता।

जमीन से जुड़ी ऐसी भ्रष्ट विसगतियों के आरोप तब से लगाए जा रहे हैं, जब राम मंदिर का निर्माण शुरू भी नहीं हुआ था। अभी दो-तीन दिन पहले उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के प्रवास पर थे, लेकिन ट्रस्ट को स्पष्ट आदेश दिए गए थे कि चंपत राय और अन्य आरोपितों, संदिग्धों को उनसे दूर रखा जाए। आखिर क्यों...? क्या विशेष जांच टीम ने मुख्यमंत्री को कुछ 'विस्फोटक खुलासे' किए हैं? चंपत राय समेत अनिल मिश्रा, गोपाल राव, सुभाष श्रीवास्तव आदि पर संगीन आरोप हैं और सभी आरएसएस के पदाधिकारी रह चुके हैं। क्या सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और प्रधानमंत्री मोदी इसीलिए खामोश हैं? प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव रह चुके एवं राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने टीवी चैनलों के साक्षात्कारों में चढ़ावा-चोरी को 'डाका' करार दिया है और नजूल की जमीन खरीदने पर सवाल उठाए हैं। इसके बावजूद चंपत राय की चारित्रिक निष्ठाएं गाई जा रही हैं कि वह पूजा की थाली का चावल तक चुरा नहीं सकते। फ$कत $फकीर और संत किस्म के व्यक्ति हैं। सवाल है कि जिस मंदिर में करोड़ों रुपए का दान आता हो, करोड़ों रुपए निर्माण और व्यवस्था पर खर्च किए जाते रहे हों, क्या उसके प्रशासन का दायित्व किसी 'संत-फकीर' को सौंपा जा सकता है? क्या ट्रस्ट भी 'दैवीय' है अथवा ट्रस्ट के सदस्य या संबद्ध लोग खास 'राम-भक्त' हैं? सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर, प्रधानमंत्री मोदी के आदेश पर, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह ट्रस्ट गठित किया था। ऐसे क्या सुर्खाब के पर लगे हैं, जो इसे खंडित नहीं किया जा सकता? वैसे अब चर्चा सुनी जा रही है कि एक हालिया सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी को राम मंदिर ट्रस्ट का सीईओ बनाया जा सकता है, लिहाजा कुछ चेहरों पर गाज भी गिर सकती है। दरअसल हमारी अगाध आस्था है कि प्रभु राम देश की आत्मा हैं, प्राण हैं, जिंदगी हैं, मन-विचार हैं, प्रार्थना हैं और असीमित मर्यादा हैं। करोड़ों राम-भक्तों की ऐसी आस्थाओं, भक्ति को धोखा नहीं दिया जा सकता। यह धारणा पैदा नहीं की जा सकती कि राम मंदिर भी लूट, चोरी-चकारी का अड्डा है। राम के प्रति जरा-सा भी मोहभंग यह देश बर्दाश्त नहीं करेगा। कोई 'राम-नाम' की लूट नहीं मची है कि कोई भी लूट ले! सवाल यह भी बेहद गंभीर है कि राम मंदिर ट्रस्ट में किसी भी शंकराचार्य, रामानुजाचार्य और अखाड़ों के महामंडलेश्वर संतों को क्यों नहीं रखा गया? संघ परिवार का ही ट्रस्ट क्यों बना दिया गया? प्रधानमंत्री मोदी तो 'परिवारवाद' के कट्टर विरोधी हैं। बहरहाल आरोप तो आंदोलन के दौरान असंख्य 'राम-शिलाओं' को लेकर भी सामने आए हैं। उनमें चांदी की शिलाएं भी थीं। यह चोरी-डकैती तिरुपति मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, शिरड़ी के साईं बाबा मंदिर आदि में भी होती रही है। करोड़ों की हेरा-फेरी, डकैती सामने आती रही है, लेकिन वक्त बीतने के साथ-साथ सब कुछ दब-ढक जाता है।

दल-बदल विरोधी कानून भारतीय लोकतंत्र में स्थिरता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन की जटिल बहस को जन्म देता है

दल-बदल विरोधी कानून : स्थिरता की गारंटी या लोकतांत्रिक विवेक पर अंकुश?

डॉ. प्रियंका सौरभ

संसद और विधानसभाएँ जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा इन संस्थाओं की स्थिरता लोकतांत्रिक शासन के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक है। किंतु भारतीय राजनीति में लंबे समय तक दल-बदल की प्रवृत्ति ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी। व्यक्तिगत लाभ, मंत्री पद, आर्थिक प्रलोभन अथवा राजनीतिक अवसरवाद के कारण निर्वाचित प्रतिनिधि बार-बार अपनी निष्ठा बदलते रहे, जिससे सरकारें गिरती रहीं और जनादेश का अपमान होता रहा। इसी समस्या के समाधान के लिए 1985 में संविधान के 52वें संशोधन द्वारा दसवीं अनुसूची के अंतर्गत दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य निर्वाचित सदस्यों को राजनीतिक दलों के प्रति अनुशासित बनाए रखना तथा सरकारों की स्थिरता सुनिश्चित करना था। हालाँकि समय के साथ यह कानून स्वयं बहस का विषय बन गया है।

भारतीय लोकतंत्र की सफलता का आधार केवल नियमित चुनाव नहीं, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही, राजनीतिक स्थिरता और जनादेश के प्रति निष्ठा भी है। संसद और विधानसभाएँ जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा इन संस्थाओं की स्थिरता लोकतांत्रिक शासन के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक है। किंतु भारतीय राजनीति में लंबे समय तक दल-बदल की प्रवृत्ति ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी। व्यक्तिगत लाभ, मंत्री पद, आर्थिक प्रलोभन अथवा राजनीतिक अवसरवाद के कारण निर्वाचित प्रतिनिधि बार-बार अपनी निष्ठा बदलते रहे, जिससे सरकारें गिरती रहीं और जनादेश का अपमान होता रहा। इसी समस्या के समाधान के लिए 1985 में संविधान के 52वें संशोधन द्वारा दसवीं अनुसूची के अंतर्गत दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य निर्वाचित सदस्यों को राजनीतिक दलों के प्रति अनुशासित बनाए रखना तथा सरकारों की स्थिरता सुनिश्चित करना था। हालाँकि समय के साथ यह कानून स्वयं बहस का विषय बन गया है। एक पक्ष इसे राजनीतिक भ्रष्टाचार और अवसरवाद के विरुद्ध आवश्यक सुरक्षा कवच मानता है, जबकि दूसरा पक्ष तर्क देता है कि यह सांसदों और विधायकों की स्वतंत्र सोच तथा अंतरात्मा के आधार पर निर्णय लेने की क्षमता को सीमित करता है। इस प्रकार दल-बदल विरोधी कानून भारतीय लोकतंत्र में स्थिरता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन की जटिल बहस को जन्म देता है। दल-बदल की समस्या स्वतंत्रता के बाद के दशकों में तेजी से बढ़ी। 1967 के आम चुनावों के बाद अनेक राज्यों में विधायकों ने बड़े पैमाने पर दल बदले। उस समय "आया राम, गया राम" शब्दावली भारतीय राजनीति का प्रतीक बन गई। हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में कई बार दल बदलने की घटना ने इस समस्या की गंभीरता को उजागर किया। इसके परिणामस्वरूप सरकारें अस्थिर हुईं, राजनीतिक नैतिकता कमजोर हुई और जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कम होने लगा। इसी पृष्ठभूमि में दल-बदल को नियंत्रित करने की आवश्यकता महसूस हुई। दसवीं अनुसूची के अनुसार यदि कोई निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है या पार्टी व्हिप के विरुद्ध मतदान करता है अथवा मतदान से अनुपस्थित रहता है, तो उसे अयोग्य ठहराया जा सकता है। स्वतंत्र सदस्य किसी दल में शामिल नहीं हो सकता और मनोनीत सदस्य भी निर्धारित अवधि के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होने पर अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अयोग्यता का निर्णय सदन के अध्यक्ष या सभापति द्वारा लिया जाता है। इस कानून के समर्थकों का तर्क है कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में इसकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सबसे पहले, इसने सरकारों की स्थिरता को मजबूत किया है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए बार-बार दल बदलते रहें, तो सरकारें निरंतर संकट में रहेंगी और प्रशासनिक निर्णय प्रभावित

होंगे। दल-बदल विरोधी कानून ने इस प्रवृत्ति पर कुछ हद तक अंकुश लगाया है। दूसरे, यह कानून राजनीतिक भ्रष्टाचार को कम करने का प्रयास करता है। अक्सर दल-बदल मंत्री पद, धन अथवा अन्य लाभों के लिए किया जाता है। ऐसे अवसरवादी व्यवहार से लोकतांत्रिक मूल्यों को क्षति पहुँचती है। कानून का भय कम से कम खुले तौर पर होने वाले राजनीतिक सौदों को सीमित करता है। तीसरे, यह जनादेश की रक्षा करता है। मतदाता प्रायः किसी उम्मीदवार को उसके दल, विचारधारा और चुनावी घोषणापत्र के आधार पर चुनते हैं। यदि निर्वाचित सदस्य बाद में दल बदल लेता है, तो वह मतदाताओं के विश्वास को ठेस पहुँचाता है। इसलिए दल-बदल विरोधी कानून मतदाताओं की अपेक्षाओं की रक्षा का माध्यम माना जाता है। चौथे, यह राजनीतिक दलों के भीतर अनुशासन बनाए रखने में सहायक है। संसदीय शासन प्रणाली में सरकार की स्थिरता के लिए यह आवश्यक है कि दल के सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर एकजुट रहें। यदि प्रत्येक सदस्य अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुसार मतदान करे, तो सरकार का संचालन कठिन हो सकता है। इन सकारात्मक पक्षों के बावजूद दल-बदल विरोधी कानून की आलोचना भी व्यापक रूप से होती रही है। सबसे बड़ी आलोचना यह है कि यह निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति और अंतरात्मा की स्वतंत्रता को सीमित करता है। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सांसद और विधायक जनता के प्रतिनिधि हैं, केवल राजनीतिक दलों के एजेंट नहीं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे किसी विधेयक या नीति पर अपने विवेक, अनुभव और जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें। किंतु व्हिप की बाध्यता के कारण उन्हें दल के निर्देशों का पालन करना पड़ता है, चाहे उनकी व्यक्तिगत राय कुछ भी हो। यह स्थिति लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करती है। संसद और विधानसभाओं का उद्देश्य केवल सरकार के प्रस्तावों को मंजूरी देना नहीं, बल्कि गहन चर्चा और विचार-विमर्श के माध्यम से बेहतर नीतियों का निर्माण करना है। जब सदस्य स्वतंत्र रूप से मत व्यक्त करने से डरते हैं, तो बहस की गुणवत्ता प्रभावित होती है और विधायिका की भूमिका सीमित हो जाती है। कानून की दूसरी प्रमुख कमजोरी अध्यक्ष या सभापति की भूमिका से जुड़ी है। अयोग्यता संबंधी निर्णय लेने का अधिकार अध्यक्ष को दिया गया है, जो सामान्यतः किसी राजनीतिक दल से संबंधित होता है। कई मामलों में यह आरोप लगाया गया है कि अध्यक्षों ने राजनीतिक हितों के अनुसार निर्णय लेने में देरी की या पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया। इससे कानून की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगता है। तीसरी आलोचना यह है कि कानून ने दल-बदल को पूरी तरह समाप्त नहीं किया, बल्कि उसके स्वरूप को बदल दिया है। पहले व्यक्तिगत स्तर पर दल-बदल होता था, जबकि अब सामूहिक इस्तीफों और पुनर्निर्वाचन के माध्यम से सरकारें गिराई जाती हैं। हाल के वर्षों में कई राज्यों में विधायकों ने पहले इस्तीफा दिया और बाद में दूसरे दल में शामिल होकर पुनः चुनाव लड़ा। इससे स्पष्ट होता है कि कानून की भावना को दरकिनार करने के नए तरीके खोज लिए गए हैं। चौथा, यह कानून राजनीतिक दलों के नेतृत्व को अत्यधिक शक्तिशाली बना देता है। दल के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जारी व्हिप का पालन करना सदस्यों के लिए अनिवार्य हो जाता है। इससे आंतरिक लोकतंत्र कमजोर पड़ता है और पार्टी के भीतर असहमति व्यक्त करने की गुंजाइश कम हो जाती है। परिणामस्वरूप निर्वाचित प्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं की बजाय पार्टी नेतृत्व की प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देने लगते हैं। इन आलोचनाओं को देखते हुए विभिन्न आयोगों और विशेषज्ञों ने सुधारों का सुझाव दिया है। विधि आयोग, राष्ट्रीय संविधान समीक्षा आयोग तथा कई संवैधानिक विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि दल-बदल विरोधी कानून का दायरा सीमित किया जाए। उनका मानना है कि व्हिप केवल उन मामलों में लागू होना चाहिए जो सरकार के अस्तित्व से सीधे जुड़े हों, जैसे विश्वास प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, विनियोग विधेयक या अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय विषय। सामान्य विधायी मामलों में सदस्यों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अनुमति मिलनी चाहिए। इसी प्रकार अयोग्यता संबंधी निर्णय अध्यक्ष के बजाय किसी स्वतंत्र न्यायिक प्राधिकरण अथवा निर्वाचन आयोग को सौंपने का सुझाव भी दिया गया है। इससे निष्पक्षता और पारदर्शिता बढ़ सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई मामलों में निर्णय प्रक्रिया में अनावश्यक देरी पर चिंता व्यक्त की है और समयबद्ध निपटान की आवश्यकता पर बल दिया है। अन्य लोकतांत्रिक देशों का अनुभव भी इस बहस को रोचक बनाता है। ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे संसदीय लोकतंत्रों में दलगत अनुशासन तो है, किंतु भारत जैसी कठोर अयोग्यता व्यवस्था नहीं है। वहाँ सांसद कई बार पार्टी लाइन से अलग मतदान करते हैं, फिर भी उनकी सदस्यता समाप्त नहीं होती। इससे संसदीय बहस अधिक स्वतंत्र और जीवंत बनी रहती है। दूसरी ओर भारत जैसी विविधतापूर्ण और गठबंधन-प्रधान राजनीतिक व्यवस्था में राजनीतिक अस्थिरता की आशंका अधिक रहती है।

देश दुनिया से

सुरक्षा की जीत, गरिमा की हार? नीट-यूजी पुनर्परीक्षा का दोहरा चेहरा

21 जून 2026 को नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा समाप्त हुई। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकलते लाखों विद्यार्थियों के चेहरों पर राहत थी, लेकिन आंखों में एक अनकहा बोझ भी झलक रहा था। देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में शामिल इस परीक्षा को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में आयोजित किया गया। 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों, 95 हजार परीक्षा कक्षों, 1.38 लाख सीसीटीवी कैमरों, 51 हजार जैमरों, हजारों बायोमेट्रिक कर्मचारियों और कड़ी फ्रिस्किंग के बीच परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। पेपर लीक की आशंकाएं लगभग समाप्त रहीं और परिणामों पर विश्वास बहाल होने की उम्मीद जगी। इसके लिए एनटीए और केंद्र सरकार बधाई के पात्र हैं। लेकिन इस सफलता के बीच एक सवाल खड़ा है—क्या निष्पक्षता की यह कीमत हमारी युवा पीढ़ी की गरिमा और मानसिक शांति से वसूली जानी चाहिए? पिछले वर्षों में बार-बार हुए पेपर लीक कांडों ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंचाई थी। मई 2026 की घटना के बाद सरकार और एनटीए ने पूरे तंत्र को लगभग रीसेट कर दिया। प्रश्न-पत्र तैयार करने से लेकर उनके परिवहन तक अभूतपूर्व गोपनीयता बरती गई। रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ स्थानों पर भारतीय वायुसेना की सहायता से प्रश्न-पत्र पहुंचाए गए, जीपीएस ट्रैकिंग, पुलिस एस्कॉर्ट और एआई आधारित निगरानी तंत्र सक्रिय किए गए। राष्ट्रीय, राज्य और मंत्रालय स्तर पर रियल-टाइम मॉनिटरिंग हुई। हजारों पर्यवेक्षक, साइबर निगरानी दल और खुफिया एजेंसियों का त्रिस्तरीय सुरक्षा नेटवर्क परीक्षा की हर गतिविधि पर नजर रखे रहा। यह व्यवस्था किसी शैक्षणिक आयोजन से अधिक एक राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान जैसी प्रतीत होती थी। इन उपायों का सकारात्मक परिणाम भी सामने आया। लाखों विद्यार्थियों को भरोसा मिला कि इस बार उनकी मेहनत संगठित नकल या पेपर लीक के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े माता-पिता को भी संतोष था कि उनके बच्चों का भविष्य किसी अपराधी गिरोह या भ्रष्ट नेटवर्क के हाथों बंधक नहीं बनेगा। लंबे समय से अपेक्षित विश्वास बहाली की दिशा में यह एक

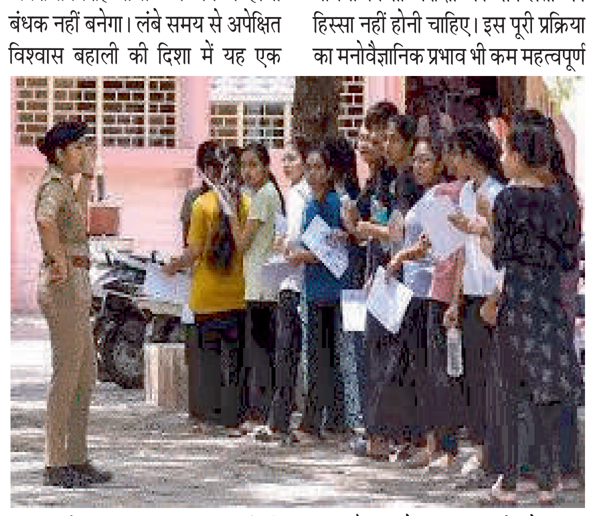

महत्वपूर्ण कदम था। निष्पक्षता किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की आत्मा है और उसे बचाने के लिए कठोर कदमों का औचित्य स्वीकार किया जा सकता है। किंतु हर सफलता कुछ ऐसे प्रश्न भी छोड़ जाती है जिन्हें केवल आंकड़ों और प्रशंसाओं से ढंका नहीं जा सकता। सबसे बड़ा प्रश्न उस अनुभव का है जिससे विद्यार्थी गुजरे। आधार आधारित फेस रिकग्निशन, फिंगरप्रिंट सत्यापन, जेबों, कानों, जूतों और यहां तक कि कपड़ों की चेन, जिप तथा धागों तक की जांच—यह सब उस युवा पीढ़ी के साथ हुआ जो डॉक्टर बनने का सपना लेकर परीक्षा केंद्र पहुंची थी। 38,795 फ्रिस्किंग कर्मी और 48,448 बायोमेट्रिक कर्मचारी व्यवस्था की आवश्यकता रहे होंगे, लेकिन विद्यार्थियों के मन में यह अनुभव भी दर्ज हुआ कि उन पर पहले संदेह किया गया, बाद में विश्वास। कई अभ्यर्थियों ने स्वयं को अपराधियों की तरह टटोला जाता महसूस किया। यह भावना किसी परीक्षा की सफलता का हिस्सा नहीं होनी चाहिए। इस पूरी प्रक्रिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विशेषकर छात्राओं के लिए फ्रिस्किंग कई बार असहजता और तनाव का कारण बनी। यद्यपि महिला कर्मियों की नियुक्ति की गई थी, फिर भी मानसिक दबाव पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका। माता-पिता दूर खड़े अपने बच्चों को डिजिटल और भौतिक निगरानी के घेरे में प्रवेश करते देखते रहे। शिक्षा का मंदिर कई स्थानों पर सुरक्षा चौकी जैसा दिखाई देने लगा। यह दृश्य केवल परीक्षा व्यवस्था का नहीं, बल्कि उस सामाजिक अविश्वास का भी प्रतीक है जो धीरे-धीरे संस्थाओं और नागरिकों के बीच बढ़ता जा रहा है। जब एक छात्र परीक्षा देने से पहले स्वयं को संदिग्ध साबित होने से बचाने की प्रक्रिया से गुजरता है, तब कहीं न कहीं शिक्षा का मूल उद्देश्य भी आहत होता है। दरअसल समस्या का मूल कारण विद्यार्थी नहीं हैं। समस्या उस व्यवस्था में है जिसने वर्षों तक पेपर लीक, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक कमजोरियों को पनपने दिया। यदि परीक्षा प्रणाली पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीकी रूप से मजबूत होती, तो शायद इतनी कठोर सुरक्षा की आवश्यकता न पड़ती। राधाकृष्णन समिति की सिफारिशें, कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली की ओर संक्रमण, उन्नत डिजिटल सुरक्षा उपाय तथा एनटीए में संरचनात्मक सुधार लंबे समय से चर्चा में रहे हैं। इस बार की सफलता सिद्ध करती है कि इच्छाशक्ति हो तो व्यवस्था सुधर सकती है। लेकिन यदि सुधार केवल सुरक्षा तक सीमित रहेगा और मूल समस्याएं जस की तस रहेंगी, तो हर वर्ष विद्यार्थियों को इसी प्रकार की कठिन और तनावपूर्ण प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। देश को अब तय करना होगा कि भविष्य की परीक्षा प्रणाली कैसी हो। क्या हम हर वर्ष युद्ध जैसी तैयारियां करेंगे, या ऐसे तकनीकी और संस्थागत सुधार विकसित करेंगे जिनसे सुरक्षा और सम्मान दोनों साथ चल सकें? फ्रिस्किंग को अधिक संवेदनशील और कम अपमानजनक बनाया जा सकता है। बायोमेट्रिक सत्यापन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है। परीक्षा प्रक्रिया को चरणबद्ध, डिजिटल और लीक-प्रूफ बनाया जा सकता है। सुरक्षा का उद्देश्य भय नहीं, विश्वास पैदा करना होना चाहिए। यदि कोई व्यवस्था निष्पक्ष तो हो जाए, पर उसमें मानवीय गरिमा खो जाए, तो वह अधूरी सफलता ही कहलाएगी। नीट-2026 की पुनर्परीक्षा भारत की परीक्षा प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

आप का नज़रिया

लेबनान की आग ने अमेरिका-ईंरान वार्ता पर डाले साए

लगभग चार महीनों से पामि एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईंरान के बीच हुआ प्रारंभिक समझौता (एमओयू) अब अपनी सबसे कठिन परीक्षा से गुजर रहा है। स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित वार्ता से पहले ही यह स्पष्ट हो गया है कि समझौते का सबसे संवेदनशील मुद्दा-लेबनान में जारी इज़रायली सैन्य कार्रवाई और उससे जुड़ा युद्धविराम-अभी तक पूरी तरह लागू नहीं हो पाया है। यही कारण है कि दोनों पक्षों के बीच अविश्वास फिर से उभरता दिखाई दे रहा है। हाल के दिनों में अमेरिका और ईंरान के बीच एक 14-सूत्रीय समझौते की रूपरेखा तैयार की गईं थी। इस ढांचे का उद्देश्य परमाणु कार्यव्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा, प्रतिबंधों से जुड़े मुद्दों और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की सुरक्षा पर आगे की बातचीत का मार्ग प्रशस्त करना था। इस प्रव्रिया में पाकिस्तान और कतर ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। समझौते के बाद स्विट्जरलैंड में औपचारिक वार्ता और आगे की बातचीत प्रस्तावित थी। लेकिन घटनाव्रम ने अचानक नया मोड़ ले लिया। लेबनान में इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष फिर भड़क उठा। दोनों पक्षों के बीच हुए युद्धविराम के बावजूद रॉकेट हमले, जवाबी हवाईं हमले और सीमा पर सैन्य गतिविधियां जारी रहीं। इन घटनाओं ने उस बुनियादी शर्त को कमजोर कर दिया जिस पर ईंरान ने आगे की वार्ता के लिए सहमति जताईं थी। ईंरानी नेतृत्व का कहना है कि यदि लेबनान में हिसा नहीं रुकती तो वूटनीतिक प्रव्रिया आगे बढ़ाना कठिन होगा। यही कारण है कि वार्ता की समय-सीमा और स्वरूप को लेकर अनिातिता बढ़ी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की यात्रा को पहले स्थगित किया गया था और बाद में नईं बैठकों की तैयारी शुरू हुईं। दूसरी ओर ईंरानी प्रतिनिधिमंडल ने भी स्पष्ट संकेत दिए कि लेबनान का मुद्दा उनके लिए केवल एक क्षेत्रीय प्रश्न नहीं बल्कि भरोसे की कसौटी है। मौजूदा स्थिति में स्विट्जरलैंड एक बार फिर वैश्विक वूटनीति का वेंद्र बन गया है। ज्यूरिख और अन्य स्विस स्थलों पर अमेरिकी, ईंरानी, पाकिस्तानी और .कतरी प्रतिनिधियों की गतिविधियां तेज हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता को इस प्रव्रिया में महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसने पहले भी संवाद के लिए मंच उपलब्ध कराया था। इस पूरे घटनाव्रम का एक बड़ा आयाम होर्मुज जलडमरूमध्य भी है। ईंरान की ओर से समय-समय पर जलमार्ग बंद करने की चेतावनी और अमेरिका द्वारा समुद्री यातायात बनाए रखने की प्रतिबद्धता ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों की चिता बढ़ा दी है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही जारी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि क्षेत्रीय अस्थिरता का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान संकट समझौते के पूर्ण विफल होने का संकेत नहीं है। अमेरिका और ईंरान दोनों ही पक्षों ने सार्वजनिक रूप से यह संकेत दिया है कि वे वार्ता का दरवाजा बंद नहीं करना चाहते। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि लेबनान में संघर्ष जारी रहने पर किसी भी बड़े समझौते को आगे बढ़ाना बेहद कठिन होगा। वूटनीति तभी सफल हो सकती है जब जमीनी हालात उसमें सहयोग करें। इस समय दुनिया की निगाहें स्विट्जरलैंड पर टिकी हैं। वहां होने वाली बातचीत केवल अमेरिका और ईंरान के संबंधों को नहीं बल्कि पूरे पामि एशिया के भविष्य को प्रभावित कर सकती है।

ईंरानी नेतृत्व का कहना है कि यदि लेबनान में हिसा नहीं रुकती तो वूटनीतिक प्रव्रिया आगे बढ़ाना कठिन होगा। यही कारण है कि वार्ता की समय-सीमा और स्वरूप को लेकर अनिातिता बढ़ी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की यात्रा को पहले स्थगित किया गया था और बाद में नईं बैठकों की तैयारी शुरू हुईं। दूसरी ओर ईंरानी प्रतिनिधिमंडल ने भी स्पष्ट संकेत दिए कि लेबनान का मुद्दा उनके लिए केवल एक क्षेत्रीय प्रश्न नहीं बल्कि भरोसे की कसौटी है। मौजूदा स्थिति में स्विट्जरलैंड एक बार फिर वैश्विक वूटनीति का वेंद्र बन गया है। ज्यूरिख और अन्य स्विस स्थलों पर अमेरिकी, ईंरानी, पाकिस्तानी और क़तरी प्रतिनिधियों की गतिविधियां तेज हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता को इस प्रव्रिया में महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसने पहले भी संवाद के लिए मंच उपलब्ध कराया था। इस पूरे घटनाव्रम का एक बड़ा आयाम होर्मुज जलडमरूमध्य भी है। ईंरान की ओर से समय-समय पर जलमार्ग बंद करने की चेतावनी और अमेरिका द्वारा समुद्री यातायात बनाए रखने की प्रतिबद्धता ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों की चिता बढ़ा दी है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही जारी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि क्षेत्रीय अस्थिरता का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा।

कुछ अलग

शीशे का महल

उसने बहुत सारे ख्वाब देखे हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा उसे दिखाए गए हैं। वह सपनों में रहते हुए अपनी, देश और पूरे विश्व की हर संभावना को उज्ज्वल होते देखने लगा है। ये सपने कई बार बिना संभावना और क्षमता के भी उसे इतना ऊंचा ले जाते कि न आकाश और न ही खजूर पर लटकने का भय बचा है। सपने उसे व देश को हमेशा महानतम बना देते और अब वह हर उम्मीद या प्रयास को ख्वाब में पूरा कर लेता है। लोग मान चुके हैं कि वह 'सपनाजीवी' हैं, लेकिन एक दिन वह सपने में शीश महल के भीतर राजा बना घूमने लगा। उसे लगा कि यह सब इसलिए हो रहा है कि एक वही बड़े दिलवाला है और शीशे के महल का सही से उपयोग कर सकता है। लोग उसे देख रहे थे। वह राजसी मुद्रा में अभिवादन स्वीकार करता, लेकिन देखने वाले ही उसे कम होते दिखाई दे रहे थे। उसे पहली बार सपने से मालूम हुआ कि शीशमहल की आंखें कमजोर होती हैं। वैसे यह आंखों का फर्क भी हो सकता है कि सपने कैसे दिखें, और शीशे का भी कि इसके ऊपर गर्द कितनी चढ़े। कुछ परिस्थितियों में हम भली चंगी आंखों पर भरोसा नहीं करते, कई बार देखकर भी यह नहीं मानते हैं कि हम देख रहे हैं। आजादी के बाद हमने जिस स्वतंत्रता से स्वतंत्रता को देखना शुरू किया, वहां हमारी आंखें थी ही कहां। हम कई बार राजनीति की बड़ी या चौड़ी बहस देखते हैं, लेकिन वहां आंखें अक्सर छोटी होती हैं। इस बहस का नतीजा आज तक नहीं निकला कि नेहरु ने देश की आंखें बड़ी कीं या वाजपेयी ने या आज तक बड़ी हो रही हैं। वैसे आजकल टीवी चैनलों के बड़ी आंखों वाले एंकरों की वजह से हम अपनी आंखें छोटी करने पे उतारू हैं।

दृष्टिकोण

टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूती देती सरकार

यकीनन इस समय सरकार देश के 4.5 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले और करीब 174 अरब डॉलर के बाजार आकार के टेक्सटाइल्स सेक्टर को मजबूती देने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। सरकार ने एक जून से पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित हो रहे टेक्सटाइल सेक्टर को राहत देने और निर्यातकों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए आगामी पांच माह के लिए कपास आयात पर लगने वाले सीमा शुल्क को पूर्ण रूप से माफ कर दिया है। सरकार लगातार मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में टेक्सटाइल सेक्टर को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ रही है। हाल ही में लागू किए गए नए श्रम कानूनों से टेक्सटाइल सेक्टर को जोरदार बढ़ावा मिलेगा। टेक्सटाइल सेक्टर के विकास के लिए पीएम मित्र पार्क मील का पत्थर हैं। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में टेक्सटाइल सेक्टर के लिए किए गए अभूतपूर्व प्रावधानों का कार्यान्वयन शुरू हो गया है। साथ ही पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा टेक्सटाइल सेक्टर में सुधार के लिए उठाए गए बहुआयामी कदम टेक्सटाइल सेक्टर को लाभान्वित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस परिदृश्य के मद्देनजर वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की रेटिंग बढ़ाई है। इनवेस्टमेंट इनफॉरमेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (आईसीआरए) ने भारत के टेक्सटाइल सेक्टर का आउटलुक 'नेगेटिव' से बढ़ाकर 'स्टेबल' कर दिया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक जून से भारत और ओमान के बीच सीईपीए (व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता) लागू हुआ है। इस समझौते के तहत ओमान ने भारत के टेक्सटाइल सहित 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर आयात शुल्क पूरी तरह से शून्य कर दिया है। इस शून्य शुल्क व्यवस्था के कारण, ओमान में भारतीय कपड़ों की लागत कम होगी, जिससे आने वाले वर्षों में टेक्सटाइल सहित अन्य वस्तुओं के निर्यात में भारी उछाल आने की उम्मीद है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में ओमान को लगभग 930 रुपए का टेक्सटाइल निर्यात किया था। यह पांच वर्षों में दोगुना हो जाएगा। इसी तरह एफटीए वाले अन्य देशों में जीरो या

लगभग जीरो ड्यूटी एक्सेस की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए से टेक्सटाइल निर्यात में भारी उछाल आया है। साथ ही आगामी महीनों में ब्रिटेन, न्यूजीलैंड तथा यूरोपीय संघ के साथ एफटीए के क्रियान्वयन से इन देशों को भारत से तेजी से टेक्सटाइल निर्यात बढ़ेगा। खासतौर से यूरोप के 27 देशों के संगठन यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर अमल शुरू होने के दो-तीन वर्षों में ही यूरोपीय संघ को भारत से करीब 20 अरब डालर तक का टेक्सटाइल निर्यात बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, इन दिनों अमरीका के साथ जिस द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है, उसके तहत भारत को अमरीका में धागे और कपास से बने कपड़ों पर भारी शुल्क छूट हासिल होगी और टेक्सटाइल निर्यात ऊंचाई पर पहुंचेंगे। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत में टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूती देने के मद्देनजर पिछले माह 9 मई से पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इन चार श्रम संहिताओं- मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून टेक्सटाइल उद्योग-कारोबार की मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देने के मद्देनजर महत्वपूर्ण हैं। नए श्रम कानूनों से व्यापार समझौतों का प्रभावी रूप से लाभप्रद क्रियान्वयन होगा।

फीफा विश्व कप 2026 : मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3–1 से हराकर दर्ज की विश्व कप इतिहास की पहली जीत

वैंकूवर

स्टार फुटबालर मोहम्मद सालाह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिस्र ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रच दिया। ग्रुप-जी के मुकाबले में मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर विश्व कप इतिहास की अपनी पहली जीत दर्ज की।

मिस्र के लिए मोहम्मद सालाह और मुस्तफा ज़िको ने एक–एक गोल करने के साथ एक–एक गोल में सहयोग भी किया, जबकि तीसरा गोल ट्रेजेगेट ने किया। पहले हाफ में पिछड़ने के बाद मिस्र ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और ग्रुप–जी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड ने मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की और 15वें मिनट में फिन सुरमैन ने कार्नर से मिले मौके को हेडर में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ तक न्यूजीलैंड 1–0 से आगे रहा। दूसरे हाफ में मिस्र ने आक्रामक खेल दिखाया। 58वें मिनट में मोहम्मद हानी के बेहतरीन क्रास पर मुस्तफा ज़िको ने हेडर लगाकर स्कोर 1–1 कर दिया।

इसके बाद 67वें मिनट में सालाह ने टूर्नामेंट का अपना पहला गोल दागते हुए मिस्र को बढ़त दिला दी। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 68वां गोल भी रहा। गोल के बाद सालाह ने दर्शकों की ओर मुट्ठी लहराकर जश्न मनाया और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया।

82वें मिनट में ट्रेजेगेट ने कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर मिस्र की जीत पक्की कर दी। यह विश्व कप में उनका पहला गोल रहा। मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने चार महत्वपूर्ण बचाव किए, जबकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकाम्ब ने भी चार सेव किए।

इस जीत के बाद मिस्र ग्रुप में मजबूत स्थिति में पहुंच गया है और शुक्रवार को ईरान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगा। वहीं न्यूजीलैंड, जो अब भी विश्व कप में अपनी पहली जीत की तलाश में है, उसी दिन बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच के बाद सालाह ने कहा कि आने वाले वर्षों में इस जीत को मिस्र के फुटबाल इतिहास की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाएगा। उन्होंने मिस्री समर्थकों की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे टीम अपने ही देश में खेल रही हो।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 : इराक के खिलाफ फ्रांस के लिए 100वां मैच खेलेंगे एम्बाप्पे

फिलाडेल्फिया। फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे सोमवार को इराक के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–आई मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मैच खेलने उतरेंगे। मुकाबले से पहले फिलाडेल्फिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है। एम्बाप्पे ने कहा कि अपने देश के लिए खेलना हमेशा गर्व की बात होती है और विश्व कप जैसे मंच पर 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना इसे और भी यादगार बना देता है। उन्होंने कहा कि सौ का आंकड़ा ऐतिहासिक होता है और विश्व कप में इस उपलब्धि तक पहुंचना उनके लिए विशेष क्षण होगा। 27 वर्षीय एम्बाप्पे फ्रांस के लिए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले 10वें खिलाड़ी बन जाएंगे। हालांकि वह अभी भी पूर्व कप्तान और गोलरक्षक ह्यूगो लोरिस के 145 मुकाबलों के रिकार्ड से पीछे हैं। हाल ही में सेनेगल के खिलाफ दो गोल कर एम्बाप्पे फ्रांस के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं। उनके नाम अब 58 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं और उन्होंने ओलिवियर जिरू का रिकार्ड पीछे छोड़ दिया है। एम्बाप्पे ने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा उनके लिए टीम की सफलता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इराक के खिलाफ जीत टीम को अगले चरण के करीब पहुंचाएगी और वही सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विश्व कप को लेकर उन्होंने कहा कि वह अपने देश के लिए इतिहास में याद किए जाना चाहते हैं और विश्व कप जैसा मंच किसी भी खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमता दिखाने का सबसे बड़ा अवसर होता है। विश्व कप में सर्वाधिक गोल के रिकार्ड की चर्चा पर एम्बाप्पे ने कहा कि वह लगातार गोल करने का प्रयास करेंगे, लेकिन उनका मुख्य लक्ष्य फ्रांस को अधिक से अधिक आगे ले जाना है।

फीफा विश्व कप 2026 : 10 खिलाड़ियों के साथ ईरान ने बेल्जियम को गोलरहित ड्रा पर रोका

लास एंजिलिस। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–जी मुकाबले में रविवार को बेल्जियम को ईरान के खिलाफ निराशा हाथ लगी। पूरे मैच में दबदबा बनाने के बावजूद बेल्जियम 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए ईरान की मजबूत रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सका और मुकाबला 0–0 से ड्रा पर समाप्त हुआ। दक्षिणी कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में दर्शकों का बड़ा समर्थन बेल्जियम को मिला, लेकिन ईरान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अंक बांटने में सफलता हासिल की। ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद टीम के सबसे बड़े नायक साबित हुए। उन्होंने पूरे मैच में सात महत्वपूर्ण बचाव किए और बेल्जियम के लगातार हमलों को विफल कर दिया। बेल्जियम ने गेंद पर अधिक नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन दूसरे हाफ में टीम को बड़ा झटका लगा जब डिफेंडर नाथन न्गोय को लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने गोल की ओर बढ़ रहे ईरानी स्ट्राइकर मेहदी तारेमी को रोकने के प्रयास में फाउल किया था। एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद बेल्जियम ने हमले जारी रखे, लेकिन ईरान की अनुशासित रक्षा के सामने उसे सफलता नहीं मिली।

यशस्वी ने पिता को फादर्स डे पर लक्जरी कार उपहार में देकर जीता दिल

मुम्बई। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने फादर्स डे के अवसर पर अपने पिता को एक महंगी लग्जरी कार उपहार में दी है। इस कार की कीमत करीब बेहद 1.32 करोड़ रुपये बतायी गयी है। यशस्वी के अपने पिता को उपहार देने पर प्रशंसकों ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। यश्स्वी ने जिस प्रकार से पिता को कार भेंट की है। उससे उन्होंने उनके प्रति गहरे सम्मान और प्रेम को दिखाया है। इसका कारण ये है कि पिता ने यशस्वी के क्रिकेट सपनों को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया था। पिता को कार उपहार में देने की दिल जीत लेने वाली तस्वीरें यशस्वी के भाई तेजस्वी ने सोशल मीडिया में साझा की हैं। ये तेजी से वायरल हो गईं हैं। इन तस्वीरों में पूरा परिवार कार की डिलीवरी लेने के लिए एक साथ नजर आ रही है। इस दौरान यशस्वी के माता–पिता बेहद सामान्य कपड़ों में दिखे, इससे उनकी सादगी और विनम्रता दिखती है। उनके पिता की इस सादगी को देखकर प्रशंसक भी बेहद भावुक हो गए और यशस्वी के इस कदम की सराहना की। यह दृश्य कई लोगों के लिए प्रेरणादायक था, क्योंकि यह दिखाता है कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी अपनी जड़ों से जुड़े रहना कितना जरुरी है। यशस्वी ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के अंतिम मुकाबले में शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

चंचल राठौर की कप्तानी पारी से उज्जैन फाल्कंस की शानदार जीत

प्लेयर आफ द मैच आर्यन पांडे की हैट्रिक और आलराउंड खेल से पस्त हुई बुल्स ; दर्शन राठौर ने छक्के से किया मैच फिनिश

इंदौर

होलकर स्टेडियम में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के 39वें मुकाबले में उज्जैन फाल्कंस ने रोमांचक संघर्ष के बाद बुंदेलखंड बुल्स को चार विकेट से पराजित कर प्लेआफ की उम्मीदों को मजबूती दी। 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उज्जैन फाल्कंस ने कप्तान चंचल राठौर (63) और प्लेयर आफ द मैच आर्यन पांडे (24 रन व 4 विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत 19.1 ओवर में 166/6 रन बनाकर चार विकेट से जीत हासिल की।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बुंदेलखंड बुल्स ने कप्तान अभिषेक पाठक की 14 गेंदों में 36 रन की विस्फोटक पारी और शिवांग कुमार (30) तथा विक्रांत भदौरिया (22) के योगदान से 19.5 ओवर में 160 रन बनाए। बुल्स ने पावरप्ले में 72 रन जोड़कर आक्रामक शुरुआत की, लेकिन बाद के ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। उज्जैन की ओर से आर्यन पांडे ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 16 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में लगातार तीन गेंदों पर गौतम जोशी, ओमकार नाथ सिंह और हर्षित परसाई को आउट कर शानदार हैट्रिक भी पूरी की। मसूम रज़ा कैफ ने 19 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

161 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उज्जैन फाल्कंस की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 13 रन के स्कोर पर ऋषि मिगलानी और यश दुबे के विकेट गंवा दिए। इसके बाद माधव तिवारी ने 10 गेंदों में 20 रन की तेज पारी खेलकर रनगति बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन हर्षित परसाई ने उन्हें पवेलियन भेजकर फाल्कंस को तीसरा झटका दिया। पावरप्ले में टीम का स्कोर 47/3 रहा और मुकाबला पूरी तरह बुंदेलखंड बुल्स के पक्ष में दिखाई देने लगा।

संकट की इस घड़ी में कप्तान एवं विकेटकीपर चंचल राठौर ने शानदार जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए 50 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल रहे। चंचल ने ओजस्वा यादव (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 85 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। यह साझेदारी मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई।

जब जीत के लिए तेज रन चाहिए थे, तब आर्यन पांडे ने भी बल्ले से कमाल दिखाया। उन्होंने 16 गेंदों में 24 रन की उपयोगी पारी खेलकर दबाव कम किया और फाल्कंस को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। अंतिम दो ओवरों में मुकाबला फिर रोमांचक हो गया, जब रुद्रांश सिंह ने 19वें ओवर में पहले चंचल राठौर और फिर आर्यन पांडे को आउट कर बुल्स की उम्मीदों को जगा दिया। हालांकि अंकुर सिंह चौहान और दर्शन राठौर ने घबराहट नहीं दिखाई। अंतिम ओवर की पहली ही गेंद पर दर्शन राठौर ने भुमेश मुजालदा को शानदार छक्का जड़कर मैच का अंत किया और उज्जैन फाल्कंस को यादगार जीत दिला दी। दर्शन 4 गेंदों में 9 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि अंकुर सिंह चौहान 5 रन बनाकर अविजित रहे।

एक ही गलती दोहराने के कारण शतक नहीं लगा पा रहे वैभव

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पदार्पण के बाद से ही अपने शानदार प्रदर्शन से छाये हुए हैं पर लगातार एक गलती दोहराने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब तक वह चार बर शतक के करीब आकर भी उसे बनाने में विफल रहे हैं। जिससे प्रशंसक भी निराश हैं। भारत ए टीम की ओर से श्रीलंका दौरे में भी वैभव ने यही गलती की है। इससे 94 रनों पर पहुंचने के बाद भी वह शतक नहीं लगा पाये। इसका कारण उनमें धैर्य की कमी को माना जा रहा है। वैभव अगले माह होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल किये गये हैं। ऐसे में प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह एक ही गलती अब नहीं करेंगे। वैभव ने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में केवल 29 गेंदों में ही 94 रनों की आतिशी पारी खेली थी जिससे सभी हैरान हो गये थे। इस आक्रामक पारी के बाद भी वैभव शतक के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये। इससे एक बार फिर दिखा कि वह शतक के करीब जाकर गलती कर जाते हैं। श्रीलंका ए के खिलाफ हुए उस फाइनल मुकाबले में वैभव ने पहली गेंद से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 11 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। 64 रन तक पहुंचने तक वैभव ने एक भी सिंगल नहीं लिया, जो यह संकेत दे रहा था कि वह एक बड़े शतक की ओर बढ़ रहे हैं पर एक बार फिर इस बल्लेबाज ने वही पुरानी गलती दोहराई जिससे वह शतक से केवल 6 रन दूर रह गए।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने पर बोले प्रीतम- तकनीक पर रखा पूरा ध्यान

सुहल (जर्मनी)

भारत के 16 वर्षीय निशानेबाज प्रीतम केंद्रे ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार पहचान बनाते हुए आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप 2026 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। अपने केवल दूसरे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हुए प्रीतम ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में बेहद संयमित और शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 251.3 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। तटस्थ खिलाड़ी तिमोफेई अलेइनिकोव ने रजत और नार्वे के जेन्स ओएस्टली ने कांस्य पदक जीता।

विश्व खिताब जीतने के बाद प्रीतम ने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान उनका पूरा ध्यान केवल अपनी तकनीक और हर शाट को बेहतर तरीके से खेलने पर था। प्रीतम ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस जीत से मैं बेहद खुश हूं। पूरी प्रतियोगिता के दौरान मेरा ध्यान केवल अपनी तकनीक पर रहा और हर शाट में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। पुणे के रहने वाले युवा निशानेबाज ने अपनी सफलता का श्रेय गगन नारंग गन फार ग्लोरी शूटिंग अकादमी को भी दिया। उन्होंने कहा, अकादमी के प्रशिक्षकों ने मुझे व्यक्तिगत रूप से काफी मार्गदर्शन दिया। हमारी तैयारी हमेशा तकनीक सुधारने पर केंद्रित रही और मुझे लगता है कि यही इस सफलता का सबसे बड़ा कारण बना। हाल ही में दसवीं की परीक्षा पूरी करने वाले प्रीतम ने कहा कि यह उपलब्धि उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, विश्व चैम्पियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मैं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं और भारत के लिए आने वाले वर्षों में कई और पदक जीतना चाहता हूं। आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप का यह पांचवां संस्करण जर्मनी के सुहल में आयोजित हो रहा है, जिसमें 70 राष्ट्रीय महासंघों के 800 से अधिक निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने इस प्रतियोगिता में 84 सदस्यीय दल उतारा है। इससे पहले 2024 में पेरू के लीमा में आयोजित प्रतियोगिता में भारत 24 पदकों (13 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा था।

धीमी ओवर गति पर इंग्लैंड को बड़ा झटका, 12 डब्ल्यूटीसी अंक कटे

लंदन। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहली बार पहुंचने की इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक काट लिए गए हैं। ओवल टेस्ट में न्यूज़ीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला बराबर कर दी। मैच के बाद यह पाया गया कि इंग्लैंड निर्धारित समय के मुकाबले 12 ओवर पीछे रहा। इसके चलते टीम पर अंक कटौती के साथ–साथ खिलाड़ियों की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अपने बयान में कहा कि इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जो रूट ने गलती स्वीकार कर ली और प्रस्तावित दंड को मान लिया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस दंड के बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में इंग्लैंड सातवें स्थान पर बना हुआ है, लेकिन उसका अंक प्रतिशत 34.72 से घटकर 26.38 हो गया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका की शीर्ष दो टीमें अगले वर्ष लार्ड्स में होने वाले फाइनल में आमने–सामने होंगी। फिलहाल शीर्ष दो स्थानों पर आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका काबिज हैं।

चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर वापसी करेंगी सेरेना, विंबलडन 2026 के लिए मिला वाइल्डकार्ड

लंदन

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स एक बार फिर ग्रैंड स्लैम मंच पर वापसी करने जा रही हैं। 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना को विंबलडन 2026 के सिंगल्स वर्ग के लिए अंतिम वाइल्डकार्ड दिया गया है। इसके साथ ही वह लगभग चार साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में सिंगल्स मुकाबला खेलती नजर आएंगी।

44 वर्षीय सेरेना पहले ही अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ डबल्स वर्ग में वाइल्डकार्ड हासिल कर चुकी थीं, लेकिन अब सिंगल्स में भी उनकी एंट्री ने खेल प्रेमियों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना ने आखिरी बार वर्ष 2022 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। उस दौरान उन्हें पहले दौर में फ्रांस की खिलाड़ी हार्मनी तान से हार का सामना करना पड़ा था। उसी वर्ष अमेरिकी ओपन में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हुआ था।

उस समय सेरेना ने टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह खेल से आगे एक नए चरण में आगे बढ़ रही हैं।

हालांकि पिछले वर्ष उनके दोबारा एंटी–डोपिंग परीक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी वापसी की चर्चाएं तेज हो गई थीं।

हाल ही में उन्होंने टेनिस कोर्ट पर वापसी करते हुए कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स मुकाबले खेले। इसके बाद उन्होंने चेक गणराज्य की खिलाड़ी करोलिना मुचोवा के साथ भी डबल्स प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। अब सभी की नजरें विंबलडन पर होंगी, जहां सेरेना एक बार फिर सिंगल्स कोर्ट पर उतरकर अपने शानदार करियर में नया अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगी। इस वर्ष विंबलडन प्रतियोगिता 29 जून से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी।

महिला टी20 विश्व कप में भारत की पहली हार, दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट से हराया

मैनचेस्टर

आईसीसी महिला टी–20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम को अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को छह विकेट से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी आलराउंडर मारिजान कैप ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की। शेफाली वर्मा ने तेज बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती ओवरों में रन गति को बनाए रखा, जबकि स्मृति मंधाना ने भी उपयोगी योगदान दिया। पावरप्ले में भारत ने तेज शुरुआत का फायदा उठाया, लेकिन इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा और अन्य बल्लेबाजों ने उपयोगी पारियां खेलीं, जिससे भारत निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 158 रन तक पहुंच सका। दक्षिण अफ्रीका की ओर से गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत धीमी रही और शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाया। भारतीय स्पिनरों ने शुरुआती सफलताएं दिलाकर टीम को मुकाबले में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि इसके बाद मारिजान कैप और ताजमिन ब्रिट्स ने संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार मिश्रण पेश किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को मैच में वापस ला दिया। कैप ने अंतिम ओवरों में तेज बल्लेबाजी करते हुए भारत की जीत की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। भारतीय टीम को बीच के ओवरों में कैप को आउट करने के अवसर भी मिले, लेकिन कुछ कैच छूटने का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। अंतिम दो ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए अपेक्षाकृत कम रन चाहिए थे और कैप ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। मारिजान कैप ने आलराउंड प्रदर्शन करते हुए गेंदबाजी में भी महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए और बल्लेबाजी में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। इस हार के बावजूद भारतीय टीम अंक तालिका में मजबूत स्थिति में बनी हुई है। अब टीम की नजर अगले मुकाबले पर होगी, जहां जीत उसे सेमीफाइनल की दौड़ में और मजबूत स्थिति में पहुंचा सकती है।

आपातकाल आंदोलन के सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा और पेंशन देने की मांग

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सुरक्षा समिति (भाग्यनगर इकाई) के तत्वावधान में सोमवार सुबह टैंक बंड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के निकट आपातकाल (1975-77) के दौरान जेल गए आंदोलनकारियों को पेंशन एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने की मांग को लेकर अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व भारत सुरक्षा समिति (भाग्यनगर इकाई) के अध्यक्ष टी. अमन सिंह ने किया।

कार्यक्रम में भारत सुरक्षा समिति तेलंगाना के अध्यक्ष सी. अशोक कुमार यादव, जियागुडा पार्षद बोहिनी दर्शन, नवभारत संघम के पूर्व अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, बालाप्रसाद तिवारी सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए भारत सुरक्षा समिति के तेलंगाना अध्यक्ष सी. अशोक कुमार यादव ने कहा कि वर्ष 1975 से 1977 के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल लागू किया गया था। उस दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश लगाया गया तथा आपातकाल का विरोध करने वाले अनेक लोगों को मीसा और डीआईआर जैसे कानूनों के तहत जेल भेजा गया।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले इन आंदोलनकारियों ने अनेक कठिनाइयों का सामना किया और कई लोग लंबे समय तक जेलों में बंद रहे। ऐसे लोगों को उचित सम्मान एवं सरकारी मान्यता मिलनी चाहिए।वक्ताओं ने मांग की कि जिस प्रकार स्वतंत्रता सेनानियों को पेंशन, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा तथा परिवहन सहित विभिन्न लाभ प्रदान किए जाते हैं, उसी प्रकार आपातकाल के दौरान जेल गए अथवा आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले लोगों को भी स्वतंत्रता सेनानी के समान मान्यता देकर पेंशन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

साथ ही यह भी मांग की गई कि ऐसे आंदोलनकारियों के निधन के बाद उनके परिवारों को भी पेंशन एवं अन्य लाभ जारी रखे जाएं, ताकि उनके योगदान का सम्मान बना रहे।

प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक पदाधिकारियों को मिलने वाली एकाधिक पेंशन व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। उन्होंने सांसदों, विधायकों और राज्यसभा सदस्यों को प्रत्येक कार्यकाल के आधार पर अलग-अलग पेंशन दिए जाने की व्यवस्था समाप्त कर एक व्यक्ति, एक पेंशन नीति लागू करने की मांग की।वक्ताओं ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के लिए समान एवं न्यायसंगत व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

कार्यक्रम में भारत सुरक्षा समिति तेलंगाना के अध्यक्ष सी. अशोक कुमार, भाग्यनगर इकाई के अध्यक्ष टी. अमन सिंह, जियागुडा पार्षद बोहिनी दर्शन, नवभारत संघम के पूर्व अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, भाजपा नेता अन्नू यादव, मुरली एवं जगदीश, टीडीपी नेता नरसिंग राव तथा संगठन के पदाधिकारी वाई. कृष्णा, बालाप्रसाद तिवारी, डॉ. ए. सुरेंद्र, आर. पूर्णचंद्र राव, महेश कुमार शर्मा, डॉ. टी. भगवान राव, एम. नागराजू सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में महरंग बलोच को उम्रकैद

बलूचिस्तान की शेरनी की सजा पर मचा बवाल

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा की एंटी-टेररिज्म कोर्ट ने चर्चित बलूच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्रकैद की सजा सुनाई है। महरंग बलोच को बलूचिस्तान की शेरनी के नाम से भी जाना जाता है। साल 2024 में ग्वादर में हुई एक रैली के दौरान एक सिक्योरिटी अफसर की मौत के मामले में महरंग और बलूच यकजेहती कमेटी के नेता सिबगतुल्लाह शाह को सजा सुनाई गई है।

द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, यह फैसला सोमवार को एंटी-टेररिज्म कोर्ट क्वेटा-1 के जज मुहम्मद अली मोबिन ने सुनाया। यह फैसला उस समय आया जब महरंग बलोच, हिरासत में लिए गए दूसरे बीवाईसी नेताओं और उनके वकीलों ने कोर्ट की कार्रवाई का बॉयकॉट कर रखा था। 12 जून से गिरफ्तार किए गए बीवाईसी नेता कानूनी कार्रवाई के विरोध में क्वेटा जेल, हद्दा के अंदर धरना दे रहे हैं।

बीबीसी उर्दू ने महरंग बलोच के वकील इसरार जटक के हवाले से बताया कि यह मामला जुलाई 2024 में ग्वादर में बीवाईसी द्वारा आयोजित बलूच राजी माची सभा के दौरान सिक्योरिटी अफसर की मौत से जुड़ा है। इसके बाद में यह कार्यक्रम मरीन ड्राइव पर धरने में बदल गया था। आयोजकों ने विरोध खत्म करने से पहले दो प्रमुख मांगों को पूरा करने की मांग रखी थी।

इस सभा में सिर्फ बलूचिस्तान के लोग ही नहीं, बल्कि पड़ोसी अफगानिस्तान और ईरान के बलूच समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल हुए थे। प्रदर्शन के दौरान बलूचिस्तान के कई जिलों में धरने आयोजित किए गए थे। महरंग बलोच के नेतृत्व वाले बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) समर्थकों और सुरक्षा कर्मियों के बीच हुई झड़पों में कथित तौर पर कई लोगों की मौत हुई थी।

बीवाईसी ने महरंग बलोच और सिबगतुल्लाह शाह को दी गई उम्रकैद की सजा की निंदा की है। संगठन ने इस फैसले को पाकिस्तान के बलूच देश के खिलाफ नफरत का इजहार बताया। इसके साथ ही आरोप लगाया कि इस केस का कोई कानूनी आधार नहीं था। इसमें अलग-अलग ऋखठ और संदिग्ध सबूतों का इस्तेमाल किया गया। यह फैसला सरकार और अदालती तानाशाही के बराबर है।

बलूच यकजेहती कमेटी ने कहा कि इस फैसले ने विरोध और संघर्ष के एक ऐतिहासिक दौर की शुरुआत कर दी है। संगठन ने पाकिस्तान के संस्थानों पर आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण बलूच राजनीतिक एक्टिविज्म को दबाने के लिए कानून का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने अपना आंदोलन जारी रखने की बात कही और कहा कि जेल इस आंदोलन को नहीं रोक सकतीं।

महरंग बलोच की बहन और एडवोकेट नादिया बलूच ने कोर्ट के फैसले को खारिज किया। उन्होंने इसे बिना पहचान वाली कोर्ट का फैसला बताया। उनके मुताबिक, हिरासत में लिए गए बीवाईसी नेताओं और उनकी लीगल टीम ने 12 जून से कोर्ट की कार्रवाई का बॉयकॉट किया हुआ था। सरकार ने बॉयकॉट के दौरान आरोपियों का केस लड़ने के लिए वकील नियुक्त किए थे।

महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने उन वकीलों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। बलूच एक्टिविस्ट सम्मी दीन ने उम्रकैद की सजा के बाद पाकिस्तान की ज्यूडिशियरी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, ''हमारा इंसाफ नहीं, बल्कि पहले से तय सजाएं इंतजार कर रही हैं।'' ज्यूडिशियरी से दबे-कुचले लोगों को सुरक्षा की उम्मीद थी, लेकिन उसने दमन करने वालों के हाथ मजबूत किए।

मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से मनाने के लिए सभी तैयारियां समय पर पूरी करें : अतिरिक्त कलेक्टर

पेद्दापल्ली, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अतिरिक्त कलेक्टर कोप्पुला वेंकट रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा। सोमवार को अतिरिक्त कलेक्टर कोप्पुला वेंकट रेड्डी ने एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं मुहर्रम कमेटी के सदस्यों के साथ तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक को संबोधित करते हुए अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस एवं संबंधित विभागों को आवश्यक एहतियाती कदम उठाने तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें ताकि त्योहार के दौरान लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अतिरिक्त कलेक्टर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुहर्रम के दौरान आवश्यक स्थानों पर मिनी स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

उन्होंने नगर पालिका एवं पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को मस्जिदों तथा आशूरखानों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाने और साफ-सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

सरकारी स्कूलों की समस्याएं सुलझाएं, प्राइवेट संस्थानों की फीस पर लगे नियंत्रण : एसएफआई

पेद्दापल्ली, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की जिला कमेटी ने सरकारी स्कूलों की समस्याओं के तत्काल समाधान और प्राइवेट-कॉर्पोरेट शिक्षण संस्थानों की फीस पर सख्त नियंत्रण कानून लागू करने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

एसएफआई जिला अध्यक्ष-सचिव अर्ला संदीप और जिला नेता प्रशांत लू ने कहा कि जिले के सरकारी स्कूल बुनियादी ढांचे, शिक्षकों व कक्षाओं की कमी से जूझ रहे हैं। छात्रों को समय पर पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म व स्टेशनरी नहीं मिल रही, मिड-डे मील की गुणवत्ता खराब है और शौचालयों की कमी है। वहीं, प्राइवेट-कॉर्पोरेट संस्थान पाठ्यपुस्तकों के नाम पर अत्यधिक फीस वसूलकर शिक्षा का व्यवसायीकरण कर रहे हैं।

एसएफआई ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने सरकारी स्कूलों की समस्याएं दूर नहीं कीं और प्राइवेट संस्थानों पर कार्रवाई नहीं की, तो पूरे जिले में आंदोलन किया जाएगा।

पाक रक्षामंत्री की गीदड़ भभकी, पानी के लिए जंग

इस्लामाबाद, 22 जून (एजेंसियां)

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल एआरवाई न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है।

अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान इस समय गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। खासकर सिंध और बलूचिस्तान में पानी की कमी लगातार बढ़ रही है। सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक नॉर्थ वेस्ट कैनाल में 64.1% पानी की कमी है। राइस कैनाल में 38% की कमी दर्ज की गई है। दादू कैनाल में 82% तक पानी की कमी है।

पाकिस्तान की सिंचाई व्यवस्था के अहम हिस्से सुक्कुर बैराज को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। पानी का स्तर लगातार घटने से कृषि और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं।

1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच स्टैंडस्टिल समझौता हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला।

1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया।

इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत-पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के पीएम नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

पाकिस्तान में खेती की 90% जमीन यानी 4.7 करोड़ एकड़ एरिया में सिंचाई के लिए पानी सिंधु नदी प्रणाली से मिलता है। पाकिस्तान की नेशनल इनकम में एग्रीकल्चर सेक्टर की हिस्सेदारी 23% है और इससे 68% ग्रामीण पाकिस्तानियों की जीविका चलती है। ऐसे में पाकिस्तान में आम लोगों के साथ-साथ वहां की बेहाल अर्थव्यवस्था और बदतर होने लगी है।

पाकिस्तान के मंगल और तारबेला हाइड्रोपावर डैम को पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे पाकिस्तान के बिजली उत्पादन में 30% से 50% तक की कमी आ सकती है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन और रोजगार पर असर पड़ेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक ही...

इससे कुछ ही मिनटों में पूरा परिसर धुएं और आग की लपटों से भर गया।

बचाव अभियान में शामिल कर्मियों के अनुसार, इमारत के निचले हिस्से में स्थित पेट शॉप और क्लीनिक में पालतू जानवरों के इलाज और देखभाल से जुड़े तीन प्रकार के केमिकल रखे थे। आग लगने के बाद इनसे निकलने वाला धुआं बहुत ज्यादा जहरीला हो गया। इसका असर सबसे पहले ऊपरी मंजिलों पर मौजूद छात्रों पर पड़ा। दम घुटने और जहरीले धुएं के कारण कई लोग कुछ ही देर में अचेत हो गए।

छात्रों ने बाथरूम में बंद करके बचाने की कोशिश की, धुएं से बिगड़ी हालत

आग लगने के बाद सबसे पहले निचली मंजिलों पर धुआं फैला और फिर तेजी से ऊपर की ओर बढ़ने लगा। ऊपरी मंजिलों पर मौजूद लोग अचानक हुई घटना से घबरा गए। कई लोग बाहर निकलने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कुछ ने खुद को कमरों और बाथरूम में बंद कर लिया। अंदर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

फायरकर्मियों के मुताबिक, आग लगने के बाद इमारत में तेजी से धुआं भर गया। इससे अंदर मौजूद छात्र और अन्य लोग बाहर निकलने का रास्ता नहीं ढूंढ पाए। जान बचाने के लिए कुछ छात्र बाथरूम में छिप गए, जबकि कुछ स्टोर रूम में चले गए। लेकिन घने धुएं और तेज गर्मी के कारण कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। रेस्क्यू टीम जब अंदर पहुंची, तब कई लोग बेहोशी की हालत में मिले।

फायर सेफ्टी टीम ने बताया कि छत पर जाने वाली सीढ़ी पर ताला लगा था। इसकी वजह से छात्र ऊपर जाकर सुरक्षित जगह नहीं पहुंच सके। धुएं से बचने के लिए वे इमारत के अलग-अलग हिस्सों में छिपने की कोशिश करते रहे।

सूचना के 8 मिनट बाद पहुंची फायर ब्रिगेड, पिछली दीवार तोड़कर अंदर पहुंचीं रेस्क्यू टीमें

फायर विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना दोपहर 2:27 बजे कंट्रोल रूम को मिली थी। इसके महज 8 मिनट बाद पहली फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद लगातार अतिरिक्त गाड़ियां, हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को भी राहत कार्य में लगाया गया।

आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने इमारत की पिछली दीवार तोड़कर अंदर पहुंचने का रास्ता बनाया। इसके बाद धुएं और मलबे के बीच राहत और बचाव अभियान चलाया गया। फायर विभाग के मुताबिक, इमारत के पीछे की करीब 9 इंच मोटी दीवार को तोड़कर अंदर जाने की कोशिश की गई। हालांकि, दीवार काफी मजबूत थी, इसलिए उसे तोड़ने में समय लग गया। इसी कारण बेहोश छात्रों और अन्य लोगों तक पहुंचने में देरी हुई, जिससे राहत कार्य प्रभावित हुआ। फायरकर्मियों ने बताया कि परिसर में करीब 15 बिल्लियां भी मौजूद थीं। हालांकि, लंबे समय तक धुएं के बीच रहने के बावजूद उनकी जान बच गई, क्योंकि उनकी जैविक क्षमता अधिक होती है। जबकि इंसानों पर जहरीले धुएं का असर तेजी से हुआ।

होर्मुज ...

इन्हीं मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए दोनों देश स्विट्जरलैंड में वार्ता कर रहे हैं, जिसका पहला दौर 21 जून को समाप्त हुआ। ईरानी तेल पर प्रतिबंधों में छूट और होर्मुज से जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करना इस एमओयू की दो प्रमुख शर्तें थीं, जिन पर फिलहाल सहमति बन गई है।

भारत से खरीदेगा...

विभिन्न हथियारों को एक साथ ज्वाइंट करता है। यह सिस्टम रडार, सेंसर और कम्युनिकेशन नेटवर्क को जोड़कर रीयल-टाइम जानकारी देता है। आकाशतीर नेटवर्क सेंट्रीक वॉरफेयर का हिस्सा है, जिसमें एक सिस्टम पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को नियंत्रित करता है। यूएई की दिलचस्पी इस सिस्टम में इसलिए है क्योंकि यह आधुनिक खतरों जैसे ड्रोन स्वार्म और क्रूज मिसाइल हमलों से निपटने में बेहद प्रभावी है।

संयुक्त अरब अमीरात हाल के वर्षों में अपनी सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने पर जोर दे रहा है। पश्चिम एशिया में हाल के संघर्षों, ईरान के साथ तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को देखते हुए यूएई नए डिफेंस सिस्टम हासिल करना चाहता है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के तेल निर्यात का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है। यूएई इस मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है। ब्रह्मोस जैसी लंबी रेंज वाली मिसाइल और आकाशतीर जैसा कमांड सिस्टम यूएई को मजबूत एयर और कोस्टल डिफेंस देने में सक्षम होंगे। खाड़ी देशों में बढ़ती अनिश्चितता के बीच यूएई भारत जैसे विश्वसनीय पार्टनर के साथ सहयोग बढ़ा रहा है।

भारत का रक्षा निर्यात: आत्मनिर्भरता से वैश्विक बाजार तक

भारत पिछले कुछ वर्षों से रक्षा निर्यात को बढ़ावा दे रहा है। 2014 में जहां रक्षा निर्यात मात्र 800-900 करोड़ रुपये था, वहीं अब यह 20,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। ब्रह्मोस, आकाश, तेजस, अकाश मिसाइल आदि सिस्टम अब विदेशी बाजार में दिलचस्पी पैदा कर रहे हैं। यूएई के अलावा आर्मेनिया, थाईलैंड, सिंगापुर, ब्रुनेई, मिस्र, सऊदी अरब, कतर, ओमान, ब्राजील, चिली, अर्जेंटीना और वेनेजुएला जैसे देश भी ब्रह्मोस में रुचि दिखा चुके हैं। यह भारत की आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता दर्शाता है। स्वदेशी प्रणालियां सस्ती, विश्वसनीय और जरूरत के अनुसार कस्टमाइज की जा सकती हैं।

रूस की मंजूरी और चुनौतियां

ब्रह्मोस निर्यात के लिए सबसे बड़ी चुनौती रूस की सहमति है। क्योंकि मिसाइल का विकास दोनों देशों के संयुक्त प्रयास से हुआ है, इसलिए कोई भी निर्यात तीनों पक्षों (भारत, रूस और खरीदार) की सहमति से ही संभव है।

भारत और रूस के बीच अच्छे संबंध हैं, इसलिए मंजूरी मिलने की संभावना ज्यादा है। लेकिन भू-राजनीतिक परिस्थितियां (जैसे यूक्रेन संकट) इसका असर डाल सकती हैं। आकाशतीर पूरी तरह स्वदेशी होने के कारण इसमें ऐसी कोई बाधा नहीं है।

भारत-यूएई रक्षा सौदा सिर्फ व्यापार नहीं है। यह दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को गहरा करेगा। यूएई भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक और ऊर्जा साझेदार है। रक्षा सहयोग बढ़ने से हिंद महासागर और पश्चिम एशिया में सुरक्षा सहयोग भी मजबूत होगा।

भारत के लिए यह खाड़ी क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने का मौका भी है। मजबूत रक्षा निर्यात से भारतीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार बढ़ेगा और तकनीकी क्षमता का विकास होगा।

भारत और यूएई के बीच ब्रह्मोस और आकाशतीर पर चल रही चर्चा भारत के रक्षा निर्यात और वैश्विक साझेदारियों के नए दौर की शुरुआत हो सकती है। अगर डील सफल हुई तो यह न सिर्फ दोनों देशों की सुरक्षा मजबूत करेगी बल्कि मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को भी दुनिया के सामने स्थापित करेगी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री...

नए नेता और प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह अपने पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने उत्तराधिकारी को पूरा सहयोग देंगे।

स्टार्मर ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स 3 को अपने फैसले की जानकारी दे दी। अब लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति नए नेता के चुनाव का कार्यक्रम तय करेगी।

इसके तहत 9 जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 17 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले नए नेता का चुनाव पूरा करने की कोशिश की जाएगी।

ब्रिटेन में जनता सीधे प्रधानमंत्री नहीं चुनती। लोग अपने-अपने क्षेत्र से सांसद चुनते हैं। जिस पार्टी के पास संसद में बहुमत होता है, उसी पार्टी का नेता प्रधानमंत्री बनता है।

अभी लेबर पार्टी की सरकार है। इसलिए जो व्यक्ति पार्टी का नया नेता बनेगा, वही प्रधानमंत्री बनने का सबसे बड़ा दावेदार होगा। इसके लिए पूरे देश में आम चुनाव कराने की जरूरत नहीं होती।

बर्नहम ने पीएम पद की दावेदारी पेश की

स्टार्मर के खिलाफ रहे एंडी बर्नहम ने लेबर पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। बर्नहम ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सत्ता सौंपने की प्रक्रिया को जिम्मेदारी और व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इस प्रक्रिया में अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी बर्नहम का समर्थन किया है, जिससे उनके लेबर पार्टी का नया नेता चुने जाने की संभावना बढ़ गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एंडी बर्नहम उनके उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बर्नहम ने हाल ही में मेकरफील्ड उपचुनाव जीतकर संसद में वापसी की है और उन्हें लेबर सांसदों के बड़े वर्ग का समर्थन है।

वे ब्रिटेन की राजनीति में काफी लोकप्रिय चेहरा माने जाते हैं। उन्हें पार्टी के लेफ्ट और सेंट्रिस्ट दोनों गुटों का समर्थन हासिल है। बर्नहम पहले स्वास्थ्य मंत्री समेत कई अहम सरकारी पद संभाल चुके हैं।

कोविड महामारी के दौरान उन्होंने मैनचेस्टर के लिए केंद्र सरकार से खुलकर टक्कर ली थी। उस समय उनकी छवि आम लोगों के हितों के लिए लड़ने वाले नेता की बनी, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ी।

मेकरफील्ड उपचुनाव में जीत के बाद एंडी बर्नहम की स्थिति और मजबूत हुई है। कई राजनीतिक जानकार मानते हैं कि वह स्टार्मर की जगह लेने के सबसे बड़े दावेदार हैं।

बर्नहम सबसे आगे, लेकिन 3 बड़े नेता भी दौड़ में

बर्नहम लेबर पार्टी के अलग-अलग गुटों में स्वीकार्य माने जाते हैं। वे अलग-अलग विचारधाराओं के बीच आसानी से खुद को फिट कर लेते हैं। समर्थक इसे उनकी ताकत मानते हैं, जबकि उनके आलोचकों का कहना है कि बर्नहम अक्सर अपने राजनीतिक रुख बदलते रहे हैं, जिससे यह साफ नहीं हो पाता कि वे किन विचारों पर मजबूती से कायम हैं।

बर्नहम इससे पहले भी दो बार लेबर नेतृत्व चुनाव हार चुके हैं। 2010 में वह एड मिलिबैंड से हार गए थे और 2015 में जेरेमी कॉर्बिन से। हालांकि इस माना जा रहा है कि वे आसानी से लेबर नेतृत्व का चुनाव जीत लेंगे।

एंजेला रेनर, यवेट कूपर और वेस स्ट्रीटिंग जैसे नाम भी संभावित दावेदारों में गिने जा रहे हैं। एंजेला रेनर फिलहाल लेबर पार्टी की उपनेता हैं और पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। यवेट कूपर को अनुभवी नेता माना जाता है और उन्होंने कई अहम सरकारी पद संभाले हैं। वहीं वेस स्ट्रीटिंग पार्टी की नई पीढ़ी के नेताओं में शामिल हैं और हाल के वर्षों में उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है।

स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव क्यों बढ़ा

स्टार्मर ने 2024 में लेबर पार्टी को बड़ी चुनावी जीत दिलाई थी, लेकिन उसके बाद उनकी लोकप्रियता लगातार घटी है। कई विवादों, नीतिगत यू-टर्न और जीवनस्तर में सुधार के वादों को पूरा नहीं कर पाने की वजह से उनकी इमेज को नुकसान पहुंचा।

स्टार्मर की मुश्किलें तब और बढ़ गईं, जब उनके विरोधी एंडी बर्नहम ने शुक्रवार को उपचुनाव जीत लिया। इस जीत के बाद बर्नहम पार्टी की कमान संभालने की दावेदारी पेश कर सकते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 23 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दि हैदराबाद किराना मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि हैदराबाद किराना मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के वर्ष 2026-2028 के लिए सम्पन्न निर्वाचन प्रक्रिया के उपरांत नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार, 22 जून 2026 को संस्था के सभागृह में सम्पन्न हुआ।

उक्त समारोह में अध्यक्ष पद पर दामोदरदास विजयवर्गीय, उपाध्यक्ष-रमेश भाटी, उपाध्यक्ष-पुरुषोत्तम मारोटिया, महामंत्री अविनाश देवड़ा, संयुक्त सचिव- कमलकिशोर जैन, संयुक्त सचिव-चिमनलाल पंवार, कोषाध्यक्ष-दुर्गेश पंवार एवं सह-कोषाध्यक्ष के रूप में प्रकाशचंद राठी और कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में- अभिषेक देवड़ा, अमरचंद भाटी, भगवानदास मूंदडा, दिनेश कुमार भारी, गोविंद पंवारा, मनीष भाटी, नंदलाल जोशी, निलेशकुमार मारोटिया, रमेश वायकर, शरद अट्टल और विठ्ठलदास अट्टल को उनके पद एवं दायित्वों की विधिवत शपथ दिलाई गई एवं 4 मनोनीत कार्यकारणी सदस्य में सुशील कुमार जैन, गोपाल नारायण मूंदड़ा, नवलकिशोर डालिया, राजेश भाटी, मनोनीत 4 परामर्शदाता विमल कुमार जैन, अरविद पटेल, रमेश सांकला (रामसा), राकेश कुमार अग्रवाल शामिल हैं।नवीन कार्यकारिणी ने अपने कार्यकाल का औपचारिक रूप से दायित्व ग्रहण किया।

हम सिर्फ एसोसिएशन नहीं, एक परिवार : दामोदरदास विजयवर्गीय

इस अवसर पर अध्यक्ष दामोदरदास विजयवर्गीय ने अपने संबोधन में कहा कि, आप सब ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। ये जीत मेरी नहीं, हम सब की जीत है। मैं आपसे वचन देता हूं कि मेरा दरवाजा हर दुख के लिए हमेशा खुला रहेगा। मैं किसी एक व्यक्ति या एक समूह का नहीं, पूरे हैदराबाद किराना मर्चेंट एसोसिएशन का अध्यक्ष हूं। हमारी प्राथमिकता होगी एकता, पारदर्शिता और हर सदस्य के हित की रक्षा। आज से हम सिर्फ एक एसोसिएशन नहीं, बल्कि एक परिवार की तरह काम करेंगे। हमारा उद्देश्य होगा हर व्यापारी को सुरक्षा, सम्मान और सहयोग देना। जो भी चुनौतियाँ हमारे व्यापार के सामने आएंगी, उनका हम मिलकर मज़बूती से सामना करेंगे। आइए, हम सब मिलकर हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन को नए शिखर तक लेकर चलें। बहुत बहुत धन्यवाद। जय हिंद!

पद सम्मान नहीं, जिम्मेदारी का दूसरा नाम : महामंत्री अविनाश देवड़ा

महामंत्री अविनाश देवड़ा ने शपथ ग्रहण के अवसर पर संबोधन में कहा, आदरणीय मुख्य अतिथि महोदय, संस्था के वरिष्ठजन, सम्मानित सदस्यगण, नव निर्वाचित साथियों एवं उपस्थित सभी व्यापारी बंधुओं, सादर प्रणाम। आज मैं आपके सामने अत्यंत विनम्रता और कृतज्ञता के साथ खड़ा हूँ। आपने मुझे दि हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन के महामंत्री पद का दायित्व सौंपकर जो विश्वास व्यक्त किया है, उसके लिए मैं हृदय की गहराइयों से आपका आभार व्यक्त करता हूँ। कहते हैं, 'पद सम्मान नहीं, जिम्मेदारी का दूसरा नाम है।' आज मुझे जो सम्मान मिला है, मैं उसे अपने सिर का ताज नहीं, बल्कि अपने कंधों का दायित्व मानता हूँ। हमारे बुजुर्गों ने सिखाया है कि 'जहाँ चाह होती है, वहाँ राह होती है', और जब राह में समाज का विश्वास साथ हो तो मंज़िल और भी आसान हो जाती है। आप सभी के विश्वास ने मुझे यह शक्ति दी है कि मैं संस्था के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर सकूँ। यह विजय किसी एक व्यक्ति, एक पद या एक पैनल की नहीं है। यह विजय संस्था की एकता, सदस्यों के विश्वास और सामूहिक संकल्प की विजय है। एक हाथ से ताली नहीं बजती, संस्था की प्रगति भी सभी सदस्यों के सहयोग और सहभागिता से ही संभव है। मेरा स्पष्ट मानना है कि 'लोहे को लोहा काटता है, लेकिन दिल को विश्वास जीतता है।' इसलिए हमारा प्रयास रहेगा कि संस्था का प्रत्येक सदस्य स्वयं को संस्था से जुड़ा हुआ और सम्मानित महसूस करे। हमारी प्राथमिकता केवल समस्याओं को उठाना नहीं, बल्कि उनके समाधान तक पहुँचना होगी। आज व्यापार जगत अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में हमें केवल समय के साथ नहीं चलना है, बल्कि समय से आगे चलने की तैयारी करनी है। जो समय की नब्ज़ पहचान लेता है, वही भविष्य का नेतृत्व करता है। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि महामंत्री के रूप में मेरा कार्यालय किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि संस्था के प्रत्येक सदस्य का कार्यालय होगा। मेरी सोच सरल है - 'बड़ा वही नहीं जो ऊँचे पद पर बैठा हो, बड़ा वह है जो सबको साथ लेकर चले।' आने वाले वर्षों में हमारा प्रयास रहेगा कि संस्था व्यापारियों की आवाज़ को और अधिक मजबूती से शासन-प्रशासन तक पहुँचाए, नई पीढ़ी को संस्था से जोड़े, व्यापारिक जागरूकता बढ़ाए तथा सामाजिक और व्यापारिक दोनों क्षेत्रों में अपनी पहचान को और अधिक सशक्त बनाए। मैं अध्यक्ष महोदय, पूरी कार्यकारिणी तथा सभी सदस्यों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने का संकल्प लेता हूँ। हमारा लक्ष्य केवल संस्था चलाना नहीं, बल्कि संस्था को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना है। अंत में मैं केवल इतना कहना चाहूँगा 'दीपक स्वयं जलता है तभी दूसरों को प्रकाश देता है।' हम सभी को भी अपने समय, श्रम और सामर्थ्य का योगदान देकर संस्था के भविष्य को उज्ज्वल बनाना होगा। आइए, हम सब मिलकर ऐसा इतिहास रचें कि आने वाली पीढ़ियाँ गर्व से कहें कि यह वह कार्यकाल था जिसने संस्था को नई दिशा और नई पहचान दी। आप सभी के स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद के लिए पुनः हृदय से धन्यवाद।

चुनाव अधिकारियों का हुआ सम्मान, लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सराहना

दि हैदराबाद किराना मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के वर्ष 2026-2028 के चुनावों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने वाले चुनाव अधिकारियों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया। संस्था के मुख्य चुनाव अधिकारी राजाराम गहलोत तथा सह-चुनाव अधिकारी अशोक कुमार भूतड़ा एवं विजय कुमार भाटी ने चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, कुशल प्रशासन, निष्पक्ष निर्णय क्षमता, समर्पण एवं अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, विश्वसनीय एवं सफल रही। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने चुनाव अधिकारियों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं अमूल्य योगदान ने संस्था की लोकतांत्रिक परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ किया है। दि हैदराबाद किराना मर्चेन्ट्स एसोसिएशन चुनाव अधिकारियों के इस उल्लेखनीय सहयोग, निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता के लिए उनका सम्मानपूर्वक अभिनंदन करती है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है। धन्यवाद ज्ञापन सह मंत्री कमलकिशोर जैन ने किया।

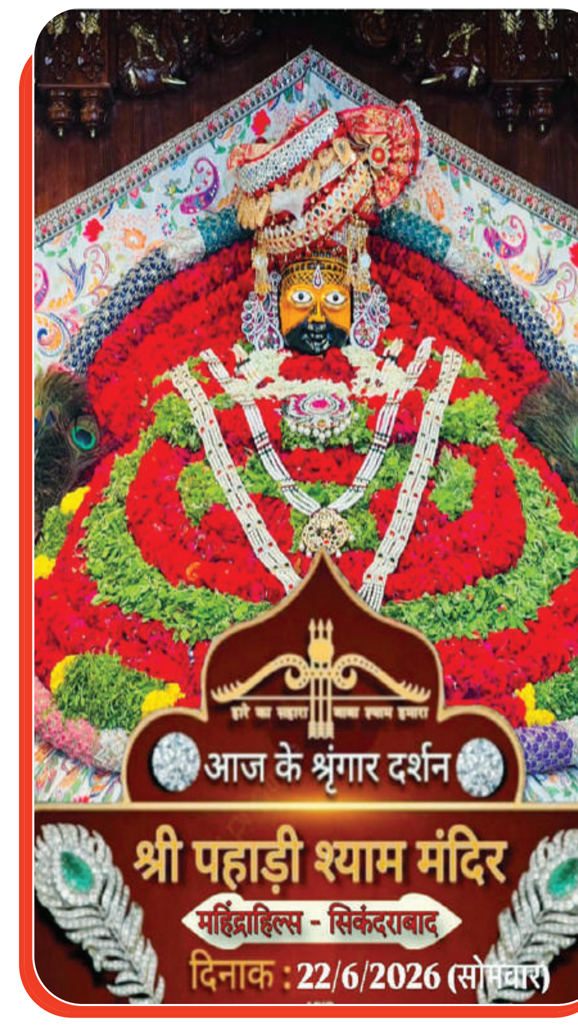

सेवा ही संस्कार : नीलम विजयवर्गीय

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए नीलम विजयवर्गीय ने कहा कि सेवा मानव जीवन का सर्वोच्च संस्कार है। सेवा के माध्यम से न केवल जरूरतमंद लोगों की सहायता होती है, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों का भी विस्तार होता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए। नीलम विजयवर्गीय ने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में महादान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के मानवता की सेवा कर रहा है, जो सामाजिक समरसता और भाईचारे को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, महेश गोयल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय तथा अरुण विजयवर्गीय सहित अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया और समाजहित में निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प लिया।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा मनाएगी सिल्वर जुबली वर्ष

16 अगस्त को होगा भव्य म्यूजिकल तंबोला, सम्मान समारोह एवं म्यूजिकल नाइट का आयोजन

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की घांसीबाजार झूला शाखा की कार्यकारिणी की विशेष बैठक शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला की अध्यक्षता में श्री राणी सती दादी मंदिर में संपन्न हुई। बैठक में शाखा की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सिल्वर जुबली समारोह भव्य रूप से आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सायं 8 बजे से घांसीबाजार झूला शाखा एवं केंद्रीय समिति की स्थापना से लेकर अब तक के सभी पदाधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही अग्रवाल समाज की विभिन्न शाखाओं के वर्तमान पदाधिकारियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा।

बैठक में सिल्वर जुबली समारोह के सफल संचालन हेतु शाखा के परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल को कार्यक्रम का प्रधान संयोजक नियुक्त किया गया। प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 16 अगस्त, रविवार को सायं 6 बजे से सिकंदराबाद के बालमराय स्थित क्लासिक गार्डन में म्यूजिकल तंबोला कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस विशेष आयोजन में केवल शाखा के सदस्य एवं प्रायोजकगण अपने परिवार सहित भाग ले सकेंगे। प्रत्येक परिवार को निर्धारित सहयोग राशि के साथ केवल एक तंबोला टिकट उपलब्ध कराया जाएगा।

शशि कांत अग्रवाल होंगे
प्रधान संयोजक

तंबोला प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए आकर्षक बंपर पुरस्कार रखे गए हैं, जिनमें 32 इंच एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, 1.5 टन एयर कंडीशनर, ओवन, ग्राइंडर, मिक्सर, वॉटर डिस्पेंसर सहित कई उपयोगी उपहार शामिल हैं।

शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजेश गोयल (प्रभुदयाल पंच परिवार) ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। वहीं कार्यक्रम स्थल के प्रायोजन हेतु अमरलाल श्रीकिशन अग्रवाल द्वारा सहयोग दिए जाने पर दोनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

समारोह के अंतर्गत उपस्थित सदस्यों एवं परिवारों के मनोरंजन के लिए सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा म्यूजिकल नाइट, डीजे कार्यक्रम, रंग-बिरंगी रोशनी तथा विशाल एलईडी स्क्रीन की विशेष व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी अतिथियों के लिए रात्रि भोज की भी व्यवस्था रहेगी।

कार्यक्रम संबंधी अधिक जानकारी के लिए प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल धर-सूवाला, उपाध्यक्ष शिव भगवान अग्रवाल, मानद मंत्री मनोज मित्तल, सह मंत्री मनोज पचेरीवाला, कोषाध्यक्ष अशोक सौलानावाला एवं निवर्तमान अध्यक्ष गोविंद पचेरिया से संपर्क किया जा सकता है।

बैठक में प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल धर-सूवाला, गोविंदराम पचेरिया, योगेंद्र कटारुका, केंद्रीय समिति सदस्य सज्जन अग्रवाल बॉयवाला, अशोक सौलानावाला, महिला समिति की प्रधान संयोजिका शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, मीनू गर्ग, शिव भगवान अग्रवाल, राधा अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अंत में शिव भगवान अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसके साथ बैठक का समापन हुआ।

बीआईएस का ज्वेलरी प्रतिष्ठान पर छापा

तलाशी एवं जब्ती अभियान के दौरान लगभग 1.6 किलोग्राम स्वर्ण आभूषण जब्त

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय ने 22 जून 2026 को आबिड्स, हैदराबाद स्थित एक ज्वेलर्स शोरूम में भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 तथा भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अनिवार्य हॉलमार्किंग प्रावधानों के उल्लंघन के संबंध में तलाशी एवं जब्ती अभियान चलाया।

यह प्रवर्तन कार्रवाई श्री पी. वी. श्रीकांत, निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय के निर्देशानुसार की गई तथा सुश्री सत्तु सविता, निदेशक एवं वैज्ञानिक-ई के नेतृत्व में बीआईएस अधिकारियों की टीम द्वारा संचालित की गई।

निरीक्षण के दौरान बीआईएस अधिकारियों ने पाया कि प्रतिष्ठान में अनिवार्य बीआईएस हॉलमार्क के बिना स्वर्ण आभूषण बिक्री हेतु रखे गए थे। इसके अतिरिक्त, पुराने हॉलमार्क चिह्नों वाले स्वर्ण आभूषण भी पाए गए। यह भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के अंतर्गत हॉलमार्कयुक्त स्वर्ण आभूषणों की बिक्री संबंधी प्रावधानों का उल्लंघन है। जब्त किए गए आभूषणों में अंगूठियां, हार तथा पेंडेंट शामिल हैं। तलाशी एवं जब्ती अभियान के दौरान कुल लगभग 1.6 किलोग्राम स्वर्ण आभूषण जब्त किए गए। इस मामले में बीआईएस द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

इस अवसर पर श्री पी. वी. श्रीकांत, निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय ने कहा: उपभोक्ता संरक्षण बीआईएस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उपभोक्ताओं को केवल वही स्वर्ण आभूषण खरीदने चाहिए जिन पर बीआईएस लोगो, शुद्धता (प्योरिटी) अंकन तथा एचयूआईडी संख्या अंकित हो। खरीदारी से पूर्व उपभोक्ताओं को बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से हॉलमार्कयुक्त आभूषणों की प्रामाणिकता अवश्य सत्यापित करनी चाहिए। बिना हॉलमार्क वाले आभूषणों की बिक्री अथवा बीआईएस हॉलमार्क के दुरुपयोग से संबंधित किसी भी सूचना या शिकायत को बीआईएस केयर ऐप अथवा निकटतम बीआईएस कार्यालय में दर्ज कराया जा सकता है।

उन्होंने सभी ज्वेलर्स से भी आग्रह किया कि वे अनिवार्य हॉलमार्किंग प्रावधानों का पूर्णतः पालन करें तथा भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के अनुरूप केवल बीआईएस हॉलमार्कयुक्त स्वर्ण आभूषणों की ही बिक्री सुनिश्चित करें।

बीआईएस उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा, वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा बाजार में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से बाजार निगरानी एवं प्रवर्तन गतिविधियां संचालित करता रहेगा।

उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि स्वर्ण आभूषण खरीदने से पूर्व बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से एचयूआईडी संख्या की जांच अवश्य करें तथा खरीद का विधिवत बिल प्राप्त करें।

रेवंत ने राजनाथ सिंह से आदिलाबाद हवाईअड्डा के विस्तार के लिए समर्थन मांगा

नई दिल्ली/हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सोमवार को मुलाकात कर आदिलाबाद हवाईअड्डा के विस्तार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) परियोजना के लिए समर्थन मांगा है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में बैठक के दौरान गांधी सरोवर परियोजना के लिए रक्षा मंत्रालय की जमीन के स्थानांतरण में मदद करने के लिए रक्षा मंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने केंद्र को आदिलाबाद में प्रस्तावित भारतीय वायु सेना हवाईअड्डा के विकास में खासकर जमीन अधिग्रहण और सुविधाओं को दूसरी जगह ले जाने से जुड़े मामलों में तेलंगाना सरकार के पूरे सहयोग का भी भरोसा दिलाया।

श्री रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास के लिए इस परियोजना की अहमियत को देखते हुए हर मुमकिन मदद करने की बात कही। उन्होंने आने वाली वायु सेना सुविधा के बड़े विस्तार के लिए भी सहयोग का भरोसा दिलाया और यात्री यातायात को पूरा करने के लिए रक्षा हवाईअड्डा के साथ एक नागरिक उड्डयन टर्मिनल बनाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने आदिलाबाद में माल-भाड़ा, रख-रखाव, मरम्मत और नवीनीकरण (एमआरओ) तथा हैंगर सुविधाओं के विकास की मांग करते हुए कहा कि जिले में वैश्विक विमानन कंपनियों के लिए एक केंद्र के रूप में उभरने की क्षमता है, खासकर बदलते अंतरराष्ट्रीय उड्डयन की गतिशीलता को देखते हुए। उन्होंने रक्षा मंत्री से महबूबनगर जिले में देवरकाद्रा के पास प्रस्तावित एक प्रमुख डीआरडीओ/डीआरडीएल परियोजना की मंजूरी में भी तेजी लाने का आग्रह किया और तेलंगाना के लिए इसके रणनीतिक और आर्थिक महत्व पर जोर दिया।

तेरापंथ किशोर मंडल का स्पेशल 26 प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

नेतृत्व, टीम बिल्डिंग और पब्लिक स्पीकिंग पर युवाओं को मिला विशेष प्रशिक्षण

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ किशोर मंडल (टीकेएम), हैदराबाद द्वारा आयोजित स्पेशल 26 प्रशिक्षण कार्यक्रम डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में उत्साहपूर्वक एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरों में नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक कौशल एवं व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक श्री बंटू किरण (नेशनल ट्रेनर, जेस-ीआई) रहे। उन्होंने नेतृत्व विकास, टीम बिल्डिंग, इवेंट मैनेजमेंट तथा पब्लिक स्पीकिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यवहारिक उदाहरणों एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व के गुणों को विकसित करने की प्रेरणा दी गई।

प्रशिक्षक बंटू किरण ने युवाओं को प्रभावी नेतृत्व, संचार कौशल, टीम भावना तथा आयोजन प्रबंधन के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में सफलता के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता भी आवश्यक है।

प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न गतिविधियों एवं संवादात्मक अभ्यासों के माध्यम से अपने कौशल को निखारने का अवसर प्राप्त किया।

कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद् हैदराबाद के अध्यक्ष राहुल गोलछा, मंत्री नीरज सुर-ाणा, मुख्य अतिथि विनोद दुगड़, प्रभारी अरिहंत गुजरानी, टीकेएम ब्लू ब्रिगेड सदस्य खुशाल भंसाली एवं कृष्ण दुगड़ की विशेष उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने युवाओं को संगठन, समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में कुल 30 किशोर सदस्यों ने सहभागिता की। तेरापंथ कन्या मंडल की टीम की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायक एवं व्यक्तित्व विकास में सहायक बताया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में तेरापंथ किशोर मंडल के सह-संयोजक रुद्र बैद एवं रोनक मेहर सहित संपूर्ण टीकेएम टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजकों ने बताया कि "26 Leaders " One Vision " Infinite Impact"" की थीम पर आधारित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के उत्साह, सकारात्मक ऊर्जा और समाजोपयोगी नेतृत्व के संकल्प के साथ हुआ।

गांधी महिला एवं बाल चिकित्सालय में स्तनपान एवं नर्सिंग इकाई का उद्घाटन

एचपीएलसी 153 एवं वीकेएलसी 189 की पहल से माताओं और शिशुओं को मिलेगी बेहतर सुविधा

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पर्ल लेडीज सर्किल 153 (एचपीएलसी 153) ने वीकेएलसी 189 के सहयोग से अपने 'सेलेस्टियल प्रोजेक्ट 2025026' के अंतर्गत गांधी महिला एवं बाल चिकित्सालय, हैदराबाद में राष्ट्रीय आयुष्मान परियोजना के तहत स्तनपान एवं नर्सिंग इकाई की स्थापना कर उसका शुभारंभ किया। यह पहल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।इस नई सुविधा का उद्घाटन एसीपी सीआर. दीपा शर्मा, एरिया-9 चेयरपर्सन (2025026) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय एचपीएलसी 153 की चेयरपर्सन सीपी सीआर. अदिति विजयवर्गी के नेतृत्व में किया गया। वहीं वीकेएलसी 189 की चेयरपर्सन सीआर. खुशबू अग्रवाल तथा सीआर. अनुषा अग्रवाल के सक्रिय सहयोग से यह परियोजना सफलतापूर्वक साकार हो सकी।

अस्पताल परिसर में स्थापित यह स्तनपान एवं नर्सिंग इकाई स्तनपान कराने वाली माताओं को सुरक्षित, स्वच्छ, आरामदायक एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराएगी। इस सुविधा का उद्देश्य माताओं को निजता और आवश्यक सहूलियतों के साथ शिशुओं की देखभाल एवं स्तनपान के लिए समर्पित स्थान प्रदान करना है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पतालों में इस प्रकार की मातृ-अनुकूल सुविधाएं उपलब्ध होने से नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और माताओं के आत्मविश्वास दोनों को बढ़ावा मिलता है। इस सेवा परियोजना को मूर्त रूप देने में गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. वाणी, डॉ. सरदार सिंह, सुमन ऑटिज्म सेंटर की संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ तथा एफएफएससी स्किल इंडिया के उपाध्यक्ष प्रशांत का उल्लेखनीय सहयोग रहा। आयोजन समिति ने उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।वक्ताओं ने कहा कि यह परियोजना सामुदायिक सेवा, महिला सशक्तिकरण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण के प्रति एचपीएलसी 153 और वीकेएलसी 189 की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में मातृ-अनुकूल स्थानों का निर्माण कर यह पहल अस्पताल आने वाली महिलाओं और बच्चों के अनुभव को और अधिक बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

राष्ट्रीय आयुष्मान परियोजना को सहयोग, संवेदनशीलता और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार की पहलें समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ एक स्वस्थ, समावेशी और संवेदनशील वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने इस परियोजना की सराहना करते हुए इसे माताओं और नवजात शिशुओं के हित में एक सराहनीय एवं उपयोगी पहल बताया।

सेवा और अन्नदान के माध्यम से समाज को नई दिशा दे रहा है राधे-राधे ग्रुप : राजकुमार गुप्ता

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास सोमवार को स्वर्गीय श्री संतोष कुमार गुप्ता की 45वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य फर्म संतोष कुमार राजकुमार गुप्ता, मलकपेट की ओर से श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा स्वर्गीय संतोष कुमार गुप्ता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमार गुप्ता ने कहा कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होता है जब वह अपने साथ-साथ समाज और जरूरतमंद लोगों के लिए भी कुछ करने का भाव रखता है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय संतोष कुमार गुप्ता का जीवन सादगी, परिश्रम, सेवा और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उनकी 45वीं पुण्यतिथि पर अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

राजकुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल दान नहीं बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले कई वर्षों से निरंतर इसी सेवा भावना के साथ जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग की सेवा में जुटे रहते हैं, जो आज के समय में एक अनुकरणीय उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे नियमित अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत कर रहे हैं। ऐसे आयोजनों से लोगों में सामाजिक उत्तरदायित्व का भाव विकसित होता है और नई पीढ़ी को भी मानव सेवा के लिए प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब सक्षम व्यक्ति जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं और सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, राजकुमार गुप्ता, रूपा गुप्ता, कुशल गुप्ता एवं सोनल गुप्ता सहित अनेक गणमान्यजन एवं राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण सेवा, श्रद्धा और समर्पण की भावना से ओत-प्रोत रहा।

शिशिर कुमार केडिया को मिला 'विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार-2025'

हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं भाषाभिवृद्धि में योगदान के लिए किया गया सम्मानित

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी सेवासदन महाविद्यालय द्वारा काचीगुड़ा स्थित बद्रुका शिक्षण संस्थानों में आयोजित भव्य समारोह में तेलंगाना राज्य स्तर पर हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों, प्राध्यापकों, विद्यालय प्रमुखों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं अमर फर्नीचर के संचालक शिशिर कुमार केडिया को विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना राज्य में कक्षा 6 से 10 तक आयोजित हिंदी प्रतियोगिता परीक्षाओं के राज्य स्तरीय विजेत-ाओं को भी प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही हिंदी भाषा के संवर्धन एवं विकास में विशेष योगदान देने वाले विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया। शिशिर कुमार केडिया को हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, हिंदी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता तथा भाषाभिवृद्धि के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। उन्हें तेलंगाना सरकार के महिला, बाल, दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण विभाग की सचिव अनिता रामचंद्रन तथा हिंदी सेवासदन महाविद्यालय के संस्थापक प्रधान सचिव एवं केंद्रीय सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एस. गैबुवली के करकमलों से सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद शिशिर कुमार केडिया ने कहा कि हिंदी भाषा के विकास एवं प्रचार-प्रसार के लिए किए गए कार्यों की पहचान के रूप में मिला यह सम्मान उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने हिंदी सेवासदन महाविद्यालय एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मान से हिंदी भाषा के क्षेत्र में और अधिक सक्रियता से कार्य करने का उत्साह दोगुना हो गया है।

कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य श्रुतिकांत भारती, बद्रुका शिक्षण संस्थानों के कोरेस्पोंडेंट एवं सचिव श्रीकिशन, तेलंगाना राज्य के विभिन्न जिलों के विद्यालय प्रमुख, हिंदी अध्यापक, प्राध्यापक, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं तथा हिंदी प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

105 वर्ष की आयु में भी 80 वर्ष जैसा दिखना है तो योग अपनाएं : योगाचार्य रतनलाल जाजू

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दादाजी योगा ग्रुप द्वारा कुतुबीगुड़ा स्थित कृष्णा ग्रैंडवर में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ योगाचार्य रतनलाल जाजू ने योग के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए योग को सबसे प्रभावी माध्यम बताया। अपने संबोधन में योगाचार्य रतनलाल जाजू ने कहा कि यदि व्यक्ति नियमित रूप से योग को अपने जीवन का हिस्सा बना ले तो वह 105 वर्ष की आयु में भी 80 वर्ष का दिखाई दे सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर, संतुलित मन और सकारात्मक जीवनशैली का आधार योग है।

रतनलाल जाजू ने बताया कि बाल्यावस्था में वे आर्यवीर दल से जुड़े थे, जहां उन्हें योग का महत्व समझने का अवसर मिला। तभी से उन्होंने नियमित रूप से योगाभ्यास को अपने जीवन का हिस्सा बना लिया। उन्होंने कहा कि वर्षों से योग के माध्यम से ही वे अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए हुए हैं और दूसरों को भी योग अपनाने के लिए प्रेरित करते रहे हैं।कार्यक्रम में योग शिक्षक रमाकांत अग्रवाल, वेंकट रेड्डी एवं श्याम मोदानी ने उपस्थित योग साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं स्वास्थ्यवर्धक योग क्रियाओं का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक लाभों की भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में विष्णुवर्धन रेड्डी, रूपकिशन, सरला सोनी, लक्ष्मी, कीर्ति, भारती, लीला, संध्या, रेवती, प्रतिभा मालपानी, प्रेमलता मोदानी, निर्मला, प्रेमा सोनी, सरोज पांडे, किरण अग्रवाल, संपदा, कविता छप्परवाल, पूनम मोदानी, विधि मोदानी, वृशा मोदानी, वर्षा शर्मा, प्रदीप जाजू सहित बड़ी संख्या में योग साधकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। आयोजन का समापन योग, स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवन के संदेश के साथ हुआ।

सिंधु हॉस्पिटल्स द्वारा मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): सिंधु हॉस्पिटल्स, हाईटेक सिटी, हैदराबाद ने एक ही अभियान में 1000 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र करने के उद्देश्य से एक मेगा रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल का आयोजन आम जनता, विशेषकर युवाओं में स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व और जीवन बचाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया था। इस अभियान में सिंधु हॉस्पिटल्स और हेटेरो ग्रुप ऑफ कंपनीज के कर्मचारियों के साथ-साथ स्वयंसेवकों और आम जनता ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह पहल सिंधु हॉस्पिटल्स के चेयरमैन और हेटेरो ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन डॉ. एम. पार्थसारथी रेड्डी के मार्गदर्शन में संचालित की गई, जिन्होंने लगातार समुदाय-संचालित स्वास्थ्य पहलों को प्रोत्साहित किया है। इस अभियान का उद्घाटन हेटेरो हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक श्री एम. श्रीनिवास रेड्डी द्वारा किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.